दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

शनिवार 29 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रात: 06:55 बजे
सूर्यास्त सांय 17:24 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 नीतीश के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजस्व

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक : 043 | गाजियाबाद, शनिवार 29 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

अमेरिकी प्रशासन रहमानुल्लाह के परिवार को निष्कासित करने पर कर रहा है विचार : ट्रंप

✷ वेबवार्ता. वॉशिंगटन ✷। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन व्हाइट हाउस के पास शूटिंग के संदिग्ध रहमानुल्लाह लकनवाल के परिवार को देश से बाहर करने की संभावना तलाश रहा है। रहमानुल्लाह पर वॉशिंगटन डीसी में नेशनल गार्ड के दो सुरक्षा प्रहरियों पर गोली चलाने के आरोप हैं। श्री ट्रंप ने हमले के बाद अमेरिका में रह रहे प्रवासियों पर और भी सख्त कार्रवाई करने की घोषणा की है। लकनवाल 2021 में अफगानिस्तान में अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी सीआईए की मदद करने के बाद ऑपरेशन अलाइज वेलकम के तहत अमेरिका आया था। उसके इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस अधिकारियों ने जब्त कर लिए थे। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के निर्देशक काश पटेल के मुताबिक उसके परिवार से भी पूछताछ की गई है। एफबीआई वॉशिंगटन स्टेट में लकनवाल के घर समेत कई संपत्तियों की तलाशी ले रही है। अमेरिकी रिपोर्ट्स के मुताबिक जांच एजेंसियों ने शरण के मामलों और कुछ ग्रीन कार्ड होल्डर्स की समीक्षा करने की घोषणा की है। अफगानी लकनवाल ने व्हाइट हाउस से कुछ ही ब्लॉक दूर 20 साल की सारा बेकस्ट्रॉम और 24 साल के एंड्रयू वोल्फ को बहुत नजदीक से गोली मारी। बेकस्ट्रॉम की बाद में मौत हो गई, जबकि 24 साल के एंड्रयू वोल्फ की हालत अभी भी गंभीर है। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया (डीसी) की अमेरिकी अटॉर्नी जीनिन पिरो ने कहा कि लकनवाल अपनी पत्नी और बच्चों के साथ वाशिंगटन के बेलिंगहैम में रह रहे थे।

मणिपुर में असम राइफल्स की चौकी पर उग्रवादियों का हमला, चार जवान घायल

✷ वेबवार्ता. इंफाल ✷। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले के साइबोल क्षेत्र में शुक्रवार को असम राइफल्स की एक अस्थायी चौकी पर अज्ञात उग्रवादियों ने अचानक हमला कर दिया। यह चौकी असम राइफल्स की अल्फा कंपनी के जवानों की थी। जानकारी के मुताबिक, हमलावरों ने पहले हैंड ग्रेनेड फेंके और फिर गोलीबारी शुरू कर दी। चौकी में तैनात जवानों ने जवाबी फायरिंग की। दोनों ओर से करीब 15-20 मिनट तक फायरिंग हुई। इसके बाद हमलावर अंधेरे और घने जंगल का फायदा उठाकर भाग गए। सुरक्षा बलों के अनुसार, इस हमले में असम राइफल्स के चार जवान घायल हो गए। इनमें से एक जवान को पेट में गोली लगी है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों को इंफाल के मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, अभी तक असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। किसी संगठन ने अब तक हमले की जिम्मेदारी भी नहीं ली है। हमले के तुरंत बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया। अतिरिक्त असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस की टुकड़ियां पहुंच गई हैं, और जंगलों में बड़ा सर्च तलाशी अभियान चल रहा है।

एनसीएलएटी के आदेश खिलाफ बायजू की याचिका खारिज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के फैसले को चुनौती देने वाली बायजू रवींद्रन की याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने एनसीएलएटी में हस्तक्षेप करने से शुक्रवार को साफ इनकार कर दिया। यह विवाद तब शुरू हुआ जब बीसीसीआई ने बायजू की कंपनी पर 158.90 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने में चूक के कारण दिवालिया प्रक्रिया (आईबीसी) शुरू करने के लिए कानूनी याचिका दायर की थी। एनसीएलएटी ने 17 अप्रैल के अपने फैसले में बायजू कंपनी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच ऋण निपटाने संबंधी हुए समझौते को कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स (सीओसी) से पहले का निपटान (प्री-सीओसी सेटलमेंट) मानने से इनकार कर दिया गया था।

मौसम की भांति बीमारियों के फैलने का भी पूर्वानुमान होगा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कोविड से भारत ने भी कई सबक सीखे हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल इंटेलीजेंस पर आधारित एक ऐसा प्लेटफार्म तैयार किया है, जिससे किसी क्षेत्र विशेष में बीमारी फैलने का पूर्वानुमान किया जा सकेगा।

इसका लाभ यह होगा कि पहले ही स्थानीय प्रशासन को अलर्ट कर दिया जाएगा। इससे बीमारी के फैलाव को रोक लिया जाएगा या सीमित कर दिया जाएगा। एनसीडीसी के अतिरिक्त निदेशक हिमांशु चौहान ने बताया कि मौजूदा समय में एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के तहत पहले बीमारियों की पुष्टि की जाती है तथा उसके बाद उसकी व्यापकता का आकलन किया जाता है।

इसके लिए इंटीग्रेटेड हेल्थ इंफार्मेशन प्लेटफार्म (आईएचआईपी) बनाया गया है। अभी इस प्लेटफार्म पर बीमारियों को रिपोर्ट किया जाता है। लेकिन अब इस प्लेटफार्म को एआई, रिटल टाइम डेटा एनालिटिक्स तथा डिजिटल इंटेलीजेंस से जोड़ दिया गया है। इससे अब बीमारियों के फैलने का पूर्वानुमान भी जारी किया जा सकेगा।

इनमें तमाम फैलने वाले बैक्टीरिया एवं विषाणु जनित बीमारियां शामिल होंगी। यह प्लेटफार्म आनलाइन माध्यम में 13 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध सभी सूचनाओं को एकत्र कर विश्लेषण करता है। मसलन, यह प्लेटफार्म स्वास्थ्य तंत्र की सूचनाओं के अलावा मौसम से लेकर मीडिया की खबरों तक को एकत्रित करके उनका विश्लेषण करेगा और उसके आधार पर किसी बीमारी के संभावित फैलाव का पूर्वनानुमान जारी कर संबंधित जिला प्रशासन को अलर्ट करेगा। इस प्लेटफार्म पर मौजूदा समय में करीब 2.5 लाख से अधिक स्रोतों से बीमारियों से जुड़े अपडेट डाले जाते हैं। इनमें एएनएम, स्वास्थ्य उप केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, अस्पताल और प्रयोगशालाएं शामिल हैं।

एनसीडीसी के अनुसार, 86 फीसदी केंद्र नियमित रूप से प्लेटफार्म पर सूचनाएं अपडेट करते हैं। इन सूचनाओं का विश्लेषण करने के बाद प्लेटफार्म रोज 200-300 घटनाओं की ओर संकेत करता है, जो किसी बीमारी का फैलाव हो सकती हैं।

इनका विश्लेषण करके इनमें से 40-45 फीसदी मामलों को जांच के अयोग्य माना जाता है। बाकी मामलों की सूचना संबंधित राज्य सरकार और जिला प्रशासन को दी जाती है। उसके बाद आगे की जांच की जाती है। एनसीडीसी के निदेशक रंजनदास ने कहा कि मौजूदा समय में 2.5 स्वास्थ्य केंद्रों एवं कार्यकर्ताओं के अलावा, ऑनलाइन कंटेंट से जानकारी एकत्र की जाती हैं। लेकिन कोई नागरिक भी इस प्लेटफार्म पर बीमारी के फैलने की सूचना दे सकता है।

इसके लिए एक क्यूआर कोड उपलब्ध है जिस पर ओटीपी वेरिफिकेशन के जरिये संभावित बीमारी फैलने की जानकारी दी जा सकती है। हालांकि यह सेवा काफी दिन पहले शुरू हो चुकी है लेकिन अभी तक लोगों की भीगीदारी बेहद कम रही है।

रक्षा सचिव के खिलाफ लोकपाल कार्यवाही रद्द

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) में पदोन्नति से जुड़ी कथित अनियमितताओं के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और अन्य अधिकारियों के खिलाफ लोकपाल द्वारा शुरू की गई कार्यवाही रद्द कर दी।

न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने यह अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने माना कि लोकपाल को इस मामले में कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है क्योंकि शिकायत में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कोई अपराध नहीं बनता।

मामला एनपीसी में 28 मार्च 2023 को की गई कुछ पदोन्नतियों से संबंधित है। इन पदोन्नतियों को लेकर आरोप लगाया गया था कि प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया गया। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने अदालत में दलील दी कि जिन पदोन्नतियों पर सवाल उठाए जा रहे हैं, वे राजेश कुमार सिंह के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव का पद्भार संभालने से पहले ही स्वीकृत हो गई थीं। उन्होंने यह पद 21 अप्रैल 2023 को ग्रहण किया था, जबकि पदोन्नतियां इससे पहले हो चुकी थीं। ऐसे में उनके खिलाफ कार्रवाई करना पूरी तरह अनुचित है। अदालत ने इन दलीलों से सहमति जताते हुए कहा कि लोकपाल ने अपने वैधानिक अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्यवाही शुरू की है।

चक्रवाती तूफान 'दितवा' चेन्नई के निकट पहुंचा, तमिलनाडु हाई अलर्ट पर

✷ वेबवार्ता. चेन्नई ✷

बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान 'दितवा' ने शुक्रवार को चेन्नई तट की ओर बढ़ना शुरू कर दिया है।

मौसम विभाग ने इस तूफान के कारण तमिलनाडु में अगले तीन दिनों के लिए बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। तूफान को देखते हुए राज्य सरकार ने कई जिला प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा है। मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है।

दितवा के कारण अत्यधिक से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जताने के कारण, राज्य सरकार ने बचाव और राहत कार्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों को तैनात कर दिया है।

एनडीआरएफ की टीमों ने संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों से लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए रबड़ की नावें, पेड़ काटने वाली मशीनों सहित सभी आवश्यक उपकरण अपने साथ रखे हैं।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने जिलाधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की और उन्हें निचले इलाकों तथा नदी के किनारे वाले क्षेत्रों के लोगों को ठहराने के लिए राहत केंद्र तैयार रखने का निर्देश दिया।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि इन केंद्रों में पीने का पानी, भोजन और चिकित्सा सुविधाओं जैसी सभी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। मौसम विभाग ने ताजा जानकारी में बताया कि चक्रवाती तूफान 'दितवा' तटीय श्रीलंका और सटे हुए दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर बना हुआ है।

यह पिछले छह घंटों के दौरान सात किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा है। यह तूफान पुडुचेरी से 440 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व और चेन्नई से 540 किलोमीटर दक्षिण में है।

देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अद्भुत दौर, नयी पीढ़ियों को मिलेगी प्रेरणा : मोदी

✷ वेबवार्ता. पणजी ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कहा कि देश आज एक अद्भुत सांस्कृतिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है और यह जागृति आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगी। प्रधानमंत्री ने समाज में एकता की भावना को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि विकसित भारत का राश्ता एकता की राह से ही आगे बढ़ेगा।

वह दक्षिण गोवा में पर्तगाली में श्री संस्थान गोकर्ण पर्तगाली जीवोत्तम मठ की स्थापना के के 550 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। श्री मोदी ने द्वैत दर्शन के इस मठ द्वारा वहां स्थापित भगवान श्रीराम की 77 फुट ऊंची भव्य कांस्य प्रतिमा का अनावरण भी किया।

श्री मोदी ने तीन दिन पहले अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा के प्रतिष्ठापन के बाद अपने लिए यहां 'प्रभु श्रीराम की भव्य मूर्ति और रामायण पर आधारित थीम पार्क के अनावरण और उद्घाटन का सु-अवसर' प्राप्त होने का उल्लेख करते हुए कहा, ' आज भारत एक अद्भुत सांस्कृतिक पुनर्जागरण का साक्षी बन रहा है।' उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्स्थापन, काशी विश्वनाथ धाम का भव्य पुनरुद्धार, और उज्जैन में महाकाल महालोक का विश्तार, यह सब हमारे राष्ट्र की उस जागरूकता को प्रकट करते हैं जो अपनी आध्यात्मिक धरोहर को नई शक्ति के साथ उभार रही है।

रामायण सर्किट, कृष्ण सर्किट, गया जी के विकास कार्य, और कुंभ मेले का अभूतपूर्व प्रबंधन, ये सभी उदाहरण बताते हैं कि आज का भारत, अपनी सांस्कृतिक पहचान को नए संकल्पों और नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ा रहा है। प्रधामंत्री ने यह भी कहा कि , ' यह जागृति भविष्य की पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है।'

इस अवसर पर उन्होंने सामाजिक एकता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, ' विकसित भारत का राश्ता एकता से होकर जाता है। जब समाज जुड़ता है, जब हर क्षेत्र–हर वर्ग एक साथ खड़ा होता है, तभी राष्ट्र बड़ी छलांग लगाता है।' उन्होंने कहा कि श्री संस्थान गोकर्ण पर्तगाळी जीवोत्तम मठ का प्रमुख ध्येय लोगों को जोड़ना, मन को जोड़ना, परंपरा और आधुनिकता के बीच सेतु बनाना है। उन्होंने विकसित भारत की यात्रा में इस मठ को प्रेरणा का एक प्रमुख केंद्र बताया।

इस मठ का 550 साल का अनुभव हमें बताता है, परंपरा अगर जीवित रहे, तो समाज आगे बढ़ता है, और परंपरा तभी जीवित रहती है, जब वो समय के साथ अपनी जिम्मेदारी बढ़ाती है। इस मठ ने 550 वर्षों में समाज को जो दिया है, अब वही ऊर्जा हमें आने वाले भारत के निर्माण में लगानी है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत आज एक निर्णायक दौर से गुजर रहा है। देश की युवा शक्ति, हमारा बढ़ता आत्मविश्वास, और सांस्कृतिक जड़ों के प्रति हमारा झुकाव, ये सब मिलकर एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत का हमारा संकल्प तभी पूरा होगा, जब आध्यात्म, राष्ट्र-सेवा और विकास की तीनों धाराएं साथ चलें। गोवा की ये भूमि, और यहां का ये मठ, उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

श्रीमद नारायणतीर्थ स्वामीजी द्वारा, 1475 में स्थापित यह मठ उसी ज्ञान-परंपरा का विश्तार है। और उसका मूल स्रोत जगद्गुरु श्री मध्वाचार्य जैसे अद्वितीय आचार्य हैं।

हरिद्वार में 2027 अर्द्धकुंभ की तैयारियाँ तेज, घोषित की 10 स्नान तिथियाँ

✷ वेबवार्ता. हरिद्वार ✷

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ हुई महत्वपूर्ण बैठक में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने 2027 के अर्द्धकुंभ मेले के लिए शुक्रवार को तीन शाही स्नान सहित 10 स्नान तिथियाँ घोषित की।जनवरी से अप्रैल तक आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक मेले में इस बार पहली बार साधु-संतों के साथ चार शाही अमृत स्नान कराए जाएंगे, जिसे संत परंपरा में एक बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव माना जा रहा है।

पहला शाही स्नान छह मार्च को महाशिवरात्रि पर होगा, दूसरा आठ मार्च को सोमवती अमावस्या पर, तीसरा 14 अप्रैल को बैसाखी (मेष संक्रांति) और चौथा 20 अप्रैल चैत्र पूर्णिमा (चौथा अमृत स्नान) होगा। इसके अलावा, मकर संक्रांति पर भी एक महत्वपूर्ण स्नान होगा लेकिन इसे शाही स्नान की श्रेणी में नहीं रखा गया है। श्री धामी ने कहा कि कुंभ के आयोजन में संतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार करते हुए मेला व्यवस्थाओं को भव्य और व्यवस्थित बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला शानदार होगा और प्रशासनिक तैयारियां तेज गति से चल रही हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी पुष्टि की कि 14 जनवरी, 2027 को मकर संक्रांति के दिन से मेले की शुरुआत होगी। इसके बाद छह फरवरी को मौनी अमावस्या के दिन, 11 फ़रवरी को बसंत पंचमी, 20 फ़रवरी को माघ पूर्णिमा को स्नान होगा। इसके अलावा अन्य महत्वपूर्ण तिथियाँ में सात अप्रैल — नव संवत्सर, 15 अप्रैल - राम नवमी, भी है।

बैठक में मुख्यमंत्री धामी ने सभी अखाड़ों को आगामी अर्द्धकुंभ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया और मेले को कुंभ की तरह ही भव्य व दिव्य बनाने के लिए सुझाव मांगे। उन्होंने दोहराया कि हरिद्वार का अर्द्धकुंभ देश-विश्व में सांस्कृतिक धरोहर के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित करेगा।

तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के सभी धड़ों को साथ लाने में जुटी भाजपा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भाजपा ने तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अपनी प्रमुख सहयोगी अन्नाद्रमुक के सभी धड़ों को एक साथ लाने की कोशिशें तेज कर दी हैं।

भाजपा का मानना है कि राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक के खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल है और अभिनेता विजय की टीवीके की प्रभावी मौजूदगी से त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति में उसके लिए लाभ की स्थिति बन सकती है।

हालांकि, अन्नाद्रमुक नेता ई पलानीस्वामी अभी भी अन्य तीनों धड़ों को साथ लेने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं।

बिहार के चुनावों में गठबंधन की बड़ी जीत के बाद भाजपा ने अब अगले साल होने वाले पांच विधानसभाओं के चुनावों के लिए तैयारी शुरू कर दी है।

पार्टी की दक्षिण की राजनीति में तमिलनाडु सबसे अहम हैं, जहां वह गठबंधन के जरिए अपनी जड़ें जमा सकती है। हालांकि, उसकी एक बड़ी दिक्कत उसकी प्रमुख सहयोगी विपक्षी अन्नाद्रमुक का धड़ों में बंटा होना है।

अन्नाद्रमुक के बड़े व अधिकृत धड़े का नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री ई पलानीस्वामी के पास है। अन्नाद्रमुक के अन्य धड़ों का नेतृत्व शशिकला, ओ पनीरसेल्वम और दिनकरण कर रहे हैं। हालांकि इनका असर सीमित है।

अभिनेता विजय की उपस्थिति प्रभावी भाजपा ने हाल में राज्य की स्थिति का जो आकलन किया है, उसमें मानना है कि अगर अन्नाद्रमुक एकजुट हो जाए तो गठबंधन के लिए बेहतर स्थिति बन जाएगी।

इसकी बड़ी वजह अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली टीवीके की प्रभावी उपस्थिति है। विजय की पार्टी भाजपा के गठबंधन का तो थोड़ा बहुत नुकसान करेगी, लेकिन वह द्रमुक का काफी नुकसान पहुंचा सकती है।

ऐसे में राज्य में त्रिकोणीय संघर्ष की स्थिति बन जाएगी। जनवरी तक बदलाव की संभावना राज्य में अन्नाद्रमुक की एकता अभी भी बड़ा सवाल है। ई पलानीस्वामी सभी धड़ों को लेने के लिए तैयार नहीं है।

हालांकि, भाजपा नेतृत्व उनको एकजुटता के लिए लगातार संदेश दे रहे है। सूत्रों के अनुसार, जनवरी तक स्थिति में बदलाव आने की संभावना है। प्रचार में बड़े नेता रहेंगे मौजूद बताया जा रहा है कि भाजपा राज्य में द्रमुक के खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल को भुनाने के लिए धुंआधार प्रचार करेगी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पार्टी के तमाम बड़े नेता उतरेंगे।

भारत-अमेरिका : एमएच 60 रोमियो हेलीकॉप्टरों के रखरखाव के लिए 7,995 करोड़ के समझौते

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग को और अधिक प्रगाढ बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के एमएच 60 रोमियो बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टरों के रखरखाव के लिए 7995 करोड़ रुपये के समझौते पर हश्ताक्षर किए हैं।

इस समझौता पत्र पर अमेरिका के सैन्य बिक्री कार्यक्रम के तहत रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में शुक्रवार को हश्ताक्षर किये गये। रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि पांच वर्ष के लिए हुए इस समझौते में कलपुर्जे, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और आवश्यक घटकों की मरम्मत एवं आपूर्ति शामिल है।

इसके अलावा भारत में 'इंटरमीडिएट' श्तर की मरम्मत और आवधिक रखरखाव निरीक्षण सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इन घरेलू सुविधाओं से न केवल भारत की क्षमता-वृद्धि होगी, बल्कि अमेरिका से आपूर्ति पर निर्भरता में कमी आएगी। यह पहल आत्मनिर्भर भारत अभियान के अनुरूप मानी जा रही है और इसमें देश की छोटे और मझौले उद्योगों को भी नए अवसर मिलेंगे। वक्तव्य में कहा गया है कि यह पैकेज भारतीय नौसेना के अत्याधुनिक, सभी मौसमों में संचालन में सक्षम पनडुब्बी रोधी रोमियो हेलीकॉप्टरों की संचालन दक्षता को बढ़ाएगा। इससे इन हेलीकॉप्टरों को जहाजों और तट-आधारित विभिन्न स्थानों से सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा, जिससे उनके सभी प्राथमिक और द्वितीय मिशनों के दौरान बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित होगा। इस समझौते को भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी में एक और महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है जो हिन्द प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग को भी मजबूती प्रदान करेगा।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा एयरपोर्ट में नौकरी का मौका, किसे भेजा गया इंटरव्यू के लिए लेटर?

रेटर नोएडा, एजेंसी। नोएडा एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले परिवार के बच्चों को एयरपोर्ट पर नौकरी मिलेगी। इसके लिए दो दिसंबर को साक्षात्कार होगा। आवेदन करने वाले युवाओं को इसके लिए पत्र मिलने शुरू हो गए हैं। नोएडा एयरपोर्ट के लिए भूमि अधिग्रहण के दौरान एकमुश्त पांच लाख के मुआवजे के बजाए रोजगार का विकल्प चुनने वाले परिवारों के लिए खुशखबरी है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) ने ऐसे परिवार के युवाओं को साक्षात्कार के लिए पत्र भेजने शुरू कर दिए हैं। नियाल की ओर से भेजे गए आधिकारिक ई-मेल में स्पष्ट लिखा गया है कि साक्षात्कार के माध्यम से कन्सेशनायर पार्टनर्स के लिए उपयुक्त निजी नौकरियों के लिए युवाओं का चयन किया जाएगा। साक्षात्कार दो दिसंबर को नोएडा एयरपोर्ट जेवर के साइट ऑफिस में होगा। ऐसे में किसान परिवारों में खुशी का माहौल है। वहीं, जिन युवकों को नियाल की ओर से साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है, उन्होंने तैयारी शुरू कर दी है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों के बच्चों को रोजगार देने के लिए पोर्टल बनाया गया था। इस पोर्टल के माध्यम से युवाओं ने रोजगार के लिए आवेदन किए थे। इन्हें अब योग्यता के आधार पर स्थानीय और अन्य औद्योगिक इकाइयों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे उनकी तरक्की की राह खुलेगी। नए अधिग्रहण कानून के तहत जमीन देने वाले किसानों के परिवारों को परियोजना में नौकरी देने का प्रावधान है। नौकरी नहीं लेने पर उसे पांच लाख रुपये मिलेंगे। दोनों में से एक विकल्प चुनने के लिए फॉर्म भरवाया जाता है। एयरपोर्ट के लिए पहले चरण में पांच हजार किसानों ने जमीन दी। इनमें से अधिकांश ने नौकरी की बजाय पांच लाख रुपये लिए। सिर्फ 335 किसान परिवारों ने ही नौकरी का विकल्प चुना। अधिकतर किसान को मुआवजे की रकम मिल चुकी है।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के काम ने पकड़ी रफ्तार, पहले पिलर की खुदाई शुरू

गुरुग्राम , एजेंसी। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट के गुरुवार शाम को जीएमडीए ऑफिस के सामने नारियल तोड़कर पहले पिलर की खुदाई शुरू की गई। एक साथ चार स्थानों पर चार मशीन से खुदाई होगी। ऐसे में दावा किया जा रहा है कि निर्धारित समयावधि से पहले रूट का निर्माण हो जाएगा। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के पहले चरण के तहत मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से लेकर सेक्टर-नौ तक करीब 15.3 किलोमीटर लंबे मेट्रो रूट का निर्माण होना है। सितंबर में भूमि पूजन हुआ था, तब से मेट्रो के निर्माण को लेकर टेस्ट पाइल करने का काम चल रहा था। 10 जगह पर निर्माणाधीन एजेंसी को टेस्ट पाइल करने थे, जिसमें से छह के बेहतर परिणाम सामने आ चुके हैं। चार जगहों पर टेस्ट पाइल का काम अभी चल रहा है। गुरुवार से पहले पिलर का निर्माण शुरू हो गया है। एक पिलर के निर्माण के लिए एक-एक मीटर के चार पाइल किए जाएंगे। निर्माणाधीन एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि एक पिलर को तैयार होने में कम से कम 15 दिन का समय लगेगा। जनवरी से जमीन पर पिलर दिखने शुरू हो जाएंगे। एक पाइल मशीन मिलेनियम सिटी सेंटर से लेकर सुभाष चौक, दूसरी सुभाष चौक से हीरो होंडा चौक, तीसरी हीरो होंडा चौक से उमंग भारद्वाज चौक और चौथी से उमंग भारद्वाज चौक से लेकर सेक्टर-नौ के बीच खुदाई की जाएगी।

बीजेपी नेता को अचानक छाती में लगी गोली

हर्ष फायरिंग ने शादी की खुशियां मातम में बदलीं

बुलंदशहर, एजेंसी।
यूपी के बुलंदशहर में एक शादी समारोह के दौरान खुशियां मातम में बदल गईं। समारोह में बारात चढ़त के दौरान हर्ष फायरिंग हुई और एक गोली बीजेपी नेता धर्मेन्द्र भाटी (उम्र 36 वर्ष) की छाती में लग गई। गोली लगते ही शादी में अफरा-तफरी मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। धर्मेन्द्र भाटी को आनन-फानन में नोएडा के एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

यह घटना बुलंदशहर के चोला थाना क्षेत्र के खानपुर गांव की है। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात बुलंदशहर के ही ककोड़ कोतवाली क्षेत्र के गांव अजयनगर से विनोद भाटी के बेटे शिवम भाटी की बारात चोला थाना क्षेत्र के खानपुर गांव में आई थी। यहां बारात लड़की वालों के घर की तरफ बढ़ रही थी इसी दौरान एक युवक ने हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। युवक हवा में असलहा लहराते हुए फायरिंग कर रहा था। इसी दौरान एक गोली धर्मेन्द्र भाटी को लगी और वह वहीं गिरकर तड़पने लगे। धर्मेन्द्र भाटी को खून से लथपथ देख बारात में अफरा-तफरी मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। गोली लगने से तडप रहे धर्मेन्द्र भाटी को आनन-फानन में नोएडा के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया लेकिन तब तक उनकी हालत काफी बिगड़ चुकी थी।

इलाज के दौरान धमेन्द्र भाटी ने अस्पताल

में दम तोड़ दिया। इस बारे में चोला थाना पुलिस का कहना है कि कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने एक युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोपी युवक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रहती है। थाना प्रभारी बलराम सिंह ने बताया कि धर्मेन्द्र भाटी के शव का पोस्टमार्टम नोएडा में कराया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। धर्मेन्द्र भाटी के निधन पर भाजपा नेताओं ने दुख जताया है। भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने कहा कि धर्मेन्द्र पार्टी के एक अच्छे कार्यकर्ता थे। उनके निधन से गहरा दुख पहुंचा है।

निकाय चुनाव से पहले भाजपा और शिंदे सेना में तीखी तकरार

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र में 2 दिसंबर को होने वाले नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव से महज पांच दिन पहले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के दो प्रमुख सहयोगी- शिवसेना (शिंदे गुट) और भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी नोंक-झोंक शुरू हो गई है। दोनों एक दूसरे के खिलाफ खुले तौर पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। इन आरोपों की तीखी बहस में राणे बंधु तक उतर आए हैं, जिससे गठबंधन में जारी अंदरूनी तनाव और स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

शिवसेना एमएलए नीलेश राणे ने बुधवार को दावा किया कि सिंधुदुर्ग जिले के मालवन में बीजेपी कार्यकर्ता विजय केनवडकर के घर से वोटरों में बांटने के लिए रखे गए कैश के बैग मिले हैं। उन्होंने कहा कि यह स्टिंग ऑपरेशन उन्होंने स्वयं किया है और इसके वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किए।

निलेश ने कहा- यह सिर्फ एक घर का मामला नहीं है। ऐसे 8 से 10 और घरों में कैश रखा गया है। हमारे पास सबूतों के वीडियो मौजूद हैं। यह चुनाव लड़ने का तरीका नहीं है। उन्होंने इसे बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण के हालिया कोंकण दौरे से जोड़ते हुए दावा किया कि यह पैसा उनके दौरे के तुरंत बाद मिला।

नीलेश राणे ने मीडिया से बातचीत में कहा- बैग में नोटों की गड्डियां थीं। यह पैसा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के कोंकण दौरे के तुरंत बाद मिला है। हालांकि बीजेपी कार्यकर्ता विजय केनवडकर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके घर में रखा पैसा उनके व्यापार से संबंधित है और चुनाव से इसका कोई लेना-देना नहीं है। गौरतलब है कि नीलेश

राणे 2024 लोकसभा चुनाव से पहले उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए थे।

मामला गरमाया तो खुद केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद नारायण राणे के छोटे बेटे तथा राज्य के कैबिनेट मंत्री नितेश राणे मैदान में कूद पड़े। नितेश ने अपने बड़े भाई नीलेश राणे पर ही हमला बोलते हुए कहा- हम राजनीतिक लोग हैं, लेकिन निजी जीवन और कारोबार भी चलाते हैं। विजय भाजपा कार्यकर्ता हैं और व्यापारी भी। उनके घर नकदी रखना क्या गुनाह है? नितेश राणे ने गठबंधन में दरार की झलक दिखाते हुए कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि हमाम में सब नंगे हैं। रविंद्र चव्हाण पर आधारहीन आरोप लगाकर शिवसेना गंदी राजनीति कर रही है। सिर्फ चव्हाण कोंकण आए इसलिए पैसा लाए, यह तर्क है? तो हम भी पूछ सकते हैं कि शिवसेना के मंत्री उदय सामंत कोंकण क्यों आए थे? हमने तो कोई हंगामा नहीं खड़ा किया।

उन्होंने आगे कहा- भाजपा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जैसे नेक नेता मिले हैं, जिन पर जनता का विश्वास है। हमें अनैतिक तरीकों से चुनाव लड़ने की जरूरत नहीं। अगर कोई शिकायत है तो चुनाव आयोग और पुलिस देख लेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने भी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि मैं धैर्य रख रहा हूं क्योंकि मैंने 2 दिसंबर तक गठबंधन बनाए रखा है। उसके बाद मुंहतोड़ जवाब दूंगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने सवाल उठाया कि नीलेश राणे किसी के घर में घुसकर बेडरूम तक पहुंच गए और उसे स्टिंग बता रहे हैं? पूरी घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार ने भी आरोपों को निराधार बताया। इसी बीच भाजपा विधायक तानाजी मुटकुले ने आरोप लगाया कि शिवसेना विधायक संतोष बांगर ने 2022 में पार्टी विभाजन के दौरान एकनाथ शिंदे गुट में शामिल होने के लिए 50 करोड़ रुपये की मांग की थी। मुटकुले ने कहा, यह सच है कि बांगर बिना पैसे नहीं रह सकते। उन्होंने 50 बॉक्स (50 करोड़) की डील की थी। संतोष बांगर ने पलटवार करते हुए कहाः मुटकुले पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगे थे, लेकिन उन्होंने अपने ड्राइवर को फंसा दिया। वह अपनी पार्टी पर कलंक हैं।

कर्नाटक में टल गया कांग्रेस का संकट?

डीके शिवकुमार बोले- मुझे कोई जल्दबाजी नहीं

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर बवाल मचा हुआ है। यह सियासी लड़ाई वर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच है। सीएम पद को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को इस बात से इनकार किया कि उन्होंने फिलहाल मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की जगह लेने के बारे में कोई बातचीत की है। शिवकुमार ने जोर देकर कहा कि उन्हें किसी बात की जल्दी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुंबई के अपने हालिया दौरे के दौरान उन्होंने किसी भी पार्टी के नेता से मुलाकात नहीं की थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर इस तरह की कोई चर्चा होती है तो वह बेंगलुरु या दिल्ली में होगी, मुंबई में नहीं।

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों का मूल 2023 के एक कथित 'सत्ता-साझेदारी समझौते' में निहित है, जिसमें सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के कार्यकाल पर सहमति बनी थी। शिवकुमार ने कई बार इस समझौते का उल्लेख किया है, लेकिन हाल ही में उन्होंने कहा कि ऐसी कोई भी व्यवस्था कांग्रेस के केवल पांच-छह अंदरूनी सूत्रों तक ही

सीमित थी और इसे सार्वजनिक रूप से बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की खुली चर्चा पार्टी को कमजोर करेगी।

शिवकुमार खेमे के सूत्रों के अनुसार, यह फॉर्मूला 18 मई, 2023 को सिद्धारमैया, शिवकुमार, मल्लिकार्जुन खड़गे, के.सी. वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला और डी.के. सुरेश के बीच लंबी बातचीत के बाद तय हुआ था। सिद्धारमैया ने शुरू में कहा था कि वह पूरे पांच साल मुख्यमंत्री रहेंगे। हालांकि, 22 नवंबर को खड़गे से देर रात हुई मुलाकात के बाद उनका रुख नरम हुआ। उन्होंने कहा, 'हाईकमान सत्ता-साझेदारी के मुद्दे पर फैसला करेगा।'

हाल के दिनों में दोनों नेताओं के बीच तनाव साफ दिखाई दिया है। शिवकुमार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया जिसमें कहा गया था कि 'अपना वचन निभाना सबसे बड़ी ताकत है' और 'शब्द शक्ति ही विश्व शक्ति है'। इसे व्यापक रूप से पार्टी आलाकमान के लिए एक संकेत माना गया। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने भी संकेत दिया है कि दलित संगठनों द्वारा दलित मुख्यमंत्री की मांग के बीच वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में बने हुए हैं। परमेश्वर एक वरिष्ठ दलित नेता हैं। उन्होंने कहा कि वह हमेशा सीएम पद की दौड़ में रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि वह 2013 में केपीसीसी अध्यक्ष थे जब कांग्रेस सत्ता में आई थी और दलित नेता लंबे समय से एक दलित को सीएम बनाने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी सहित केंद्रीय नेतृत्व दोनों राज्य नेताओं के साथ बातचीत करने और नेतृत्व के सवाल को एक बार और हमेशा के लिए हल करने की तैयारी कर रहा है।

युवक को गूगल पर कॉलगर्ल का नंबर खोजना पड़ गया महंगा

फरीदाबाद , एजेंसी। फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में गूगल पर कॉलगर्ल का नंबर सर्च करना एक युवक को महंगा पड़ गया। साइबर ठगों ने युवक को अपने जाल में फंसाकर उससे कुल 2 लाख 30 हजार 800 रुपये ठग लिए। ठगी के शिकार हुए पीड़ित युवक ने सेक्टर-3 निवासी युवक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित के अनुसार, 19 नवंबर 2025 को वह गूगल पर एस्कॉर्ट सर्विस के लिए कॉलगर्ल का मोबाइल नंबर खोज रहा था, जहां से उसे एक नंबर मिला। उस पर वॉट्सऐप चैट करने पर उसे दूसरा मोबाइल नंबर दिया गया। इसके बाद 22 नवंबर को उसने उस नंबर पर कॉल किया तो आरोपी ने उसे ओल्ड फरीदाबाद चौक स्थित एक होटल में बुलाया और एक अन्य नंबर उपलब्ध कराया। होटल पहुंचने के बाद युवक ने उस नंबर पर वॉट्सऐप कॉल की। आरोपी ने पहले चार्ज देने की बात कहकर उससे कई मदों में पैसे मंगाए। आरोपी ने सर्विस चार्ज, होटल एंट्री फीस, पुलिस वेरिफिकेशन, जीएसटी और अन्य शुल्क के बहाने तीन अलग-अलग खातों में रकम जमा करा ली। यह राशि पीड़ित ने यूको बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक और एसबीआई के खातों में अपने दोस्त आयुष्य सैनी और स्वप्निल चौधरी के माध्यम से ट्रांसफर की थी। वहीं, बल्लभगढ़ शहर थाना पुलिस ने गुरुवार को नवलू कॉलोनी और रेलवे रोड पर चलने वाले होटल पर सर्च अभियान चलाया गया। थाना प्रभारी ने टीम के साथ सर्च अभियान करीब 3 घंटे तक चलाया गया।

मंत्री दादा भुसे का बड़ा दावा - एकनाथ शिंदे फिर बनेंगे मुख्यमंत्री ?

मुंबई, एजेंसी।
राज्य सरकार में शिवसेना कोटे से मंत्री दादा भुसे ने कहा है कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ऐसे मुख्यमंत्री रह चुके हैं जो लोगों के दिलों में बसते हैं और लोग उन्हें फिर से राज्य का नेतृत्व करते देखेंगे। उनकी टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब स्थानीय निकाय चुनावों से पहले एक-दूसरे के नेताओं को पार्टी में शामिल करने को लेकर सत्तारूढ़ महायुति में शामिल शिवसेना और भाजपा के बीच संबंधों में तनाव है। नंदुरबार में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए बुधवार को एक रैली को संबोधित करते हुए, स्कूली शिक्षा मंत्री ने कहा, 'आज भी अगर आप लोगों से पूछें कि उनके दिल में कौन सा मुख्यमंत्री है, तो वे कहेंगे कि एकनाथ जी शिंदे हैं।' भुसे ने कहा, 'चिंता मत कीजिए। जो किस्मत में लिखा है, हम फिर से एकनाथ शिंदे को महाराष्ट्र का नेतृत्व करते देखेंगे।' भुसे ने दावा किया कि शिंदे एक ऐसे मुख्यमंत्री थे जो देर रात तक सभी से मिलते थे और दिन में 20-22 घंटे काम करते थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भुसे ने कहा, 'महाराष्ट्र ने कभी एकनाथ शिंदे जैसा दुर्लभ मुख्यमंत्री नहीं देखा। उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी कह चुके हैं कि राज्य ने कभी ऐसा मुख्यमंत्री नहीं देखा, जिसने इतनी सारी अहम मंजूरियां दी

हैं।' भाजपा के विधायक तानाजी मुटकुले ने शिवसेना के एक विधायक पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि 2022 में पार्टी टूटने के दौरान उद्धव ठाकरे गुट छोड़कर एकनाथ शिंदे गुट में जाने के लिए उस विधायक ने कथित रूप से रुपये लिए थे। उन्होंने कहा कि कलमनुरी सीट से शिवसेना विधायक संतोष बांगर ने 2022 में पाला बदलने के लिए 50 करोड़ रुपये लिए थे। मुटकुले ने संवाददाताओं से कहा कि बांगर ने पहले लोगों से ठाकरे से दूरी न बनाने का आग्रह किया था, लेकिन रातोंरात उन्होंने अपना रुख बदल दिया। यह पूछे जाने पर कि वह महायुति के सहयोगी विधायक के खिलाफ आरोप क्यों लगा रहे हैं तो मुटकुले ने कहा कि बांगर उनके सहयोगी नहीं हैं और न ही कभी होंगे, क्योंकि वे अलग-अलग विचारधाराओं के हैं। बांगर ने भी मुटकुले के खिलाफ भी आलोचनात्मक टिप्पणी की। वार्ता के अनुसार, खरीद-फरोख्त के आरोपों को लेकर बढ़ती दरार के बीच पार्टी सूत्रों ने गुरुवार को कहा कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने महाराष्ट्र के नेताओं को संयम बरतने की सलाह दी है। निर्देश में सुझाव दिया गया है कि पार्टी मुंबई नगर निगम चुनावों की घोषणा होने तक सावधानीपूर्वक प्रतीक्षा एवं निगरानी का दृष्टिकोण अपना सकती है।

हिमाचल में तीन साल में 168 दवाओं के सैंपल फेल

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में पिछले तीन वर्षों के दौरान दवाओं की गुणवत्ता को लेकर बड़ी कार्रवाई सामने आई है। प्रदेश विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के लिखित उत्तर में सरकार ने बताया कि बीते तीन वर्षों में प्रदेश में कुल 12034 दवाओं के नमूनों की जांच की गई, जिनमें से 168 दवाओं के सैंपल मानकों पर खरे नहीं उतरे। यह जानकारी भाजपा विधायक विपिन सिंह परमार के प्रश्न के जवाब में सदन के पटल पर रखी गई। सरकार ने कहा कि दवाओं की गुणवत्ता पर सख्त निगरानी जारी है और दोषी पाए गए उद्योगों पर कार्रवाई की जा रही है। जिनके नमूने फेल पाए गए, 40 मामलों में कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई है, जबकि 52 मामलों में दवा एवं प्रसाधन अधिनियम 1940 के तहत प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। इसके अलावा 65 मामले अभी जांचाधीन हैं। सरकार ने जानकारी दी कि 11 मामलों में विनिर्माण इकाइयों ने जांच रिपोर्ट को चुनौती दी थी, जिनमें से अब तक 7 नमूने मानकों के अनुरूप पाए गए हैं और 9 रिपोर्टें केंद्रीय दवा प्रयोगशाला कोलकाता से लंबित हैं।

सरकार ने बताया कि प्रदेश में दवाओं की जांच के लिए राज्य स्तरीय दवा परीक्षण प्रयोगशाला बद्दी में स्थापित है, जो 8 जनवरी 2025 से कार्यशील है। इस प्रयोगशाला में प्रतिवर्ष लगभग 6000 दवा नमूनों का विश्लेषण संभव है। इसके साथ ही सोलन जिला के कंडाघाट में एक संयुक्त परीक्षण प्रयोगशाला भी संचालित है, जहां खाद्य पदार्थों व दवाओं दोनों की जांच की जाती है। बद्दी स्थित दवा परीक्षण प्रयोगशाला को 12 नवंबर को नेशनल एक्रीडेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज (एनएबीएल) द्वारा मान्यता प्राप्त हो चुकी है।

विधानसभा में विधायक राकेश जम्वाल के प्रश्न का लिखित उत्तर देते हुए सरकार ने स्पष्ट किया कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा किसी भी संस्थान की संबद्धता रद्द नहीं की गई है।

जेवर एयरपोर्ट के सभी काम और लाइसेंस प्रक्रिया 5 दिसंबर तक पूरे करें : सीएम योगी का आदेश

नोएडा, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने गुरुवार को जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट पर बचे सभी कार्य और लाइसेंस प्रक्रिया 5 दिसंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने एयरपोर्ट के निर्माण में जुटे अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (यापल) के अधिकारियों को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बकास) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की सुरक्षा संबंधित आपत्तियों को दो दिसंबर तक निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। बकास और सीआईएसएफ के अधिकारियों ने बताया कि दो दिन पूर्व हुई जांच के दौरान सुरक्षा इंतजामों में कुछ खामी मिली हैं। इन्हें दूर करने और पुनः जांच के बाद 2 दिसंबर तक रिपोर्ट डीजीसीए को सौंप दी जाएगी।

डीजीसीए के अधिकारियों ने ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी की रिपोर्ट मिलने पर 4 दिसंबर तक एयरोड्रोम लाइसेंस जारी करने पर सहमति दी। एयरपोर्ट के उद्घाटन की संभावित तारीखों पर भी चर्चा हुई। 7 दिसंबर या दिसंबर के दूसरे सप्ताह में उद्घाटन करने की संभावना जताई गई। जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन के समय एक रनवे के साथ इसका संचालन किया जाएगा। इसकी वार्षिक यात्री क्षमता लगभग 1.2 करोड़ होगी। पूरी क्षमता पर विकसित होने पर इस एयरपोर्ट में कुल पांच रनवे होंगे। इससे यह विश्व के सबसे बड़े एयरपोर्ट में शामिल हो जाएगा।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मुंबई की मतदाता सूची पर सवाल

कहा- मुंबई में करीब 11 लाख लाख डुप्लीकेट वोटर है?

मुंबई , एजेंसी।
महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मुंबई की मतदाता सूची पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि लिस्ट में लाखों डुप्लीकेट वोटर्स हैं। पवार का बयान ऐसे समय पर आया है, जब देश भर में एसआईआर यानी विशेष मतदाता पुनरीक्षण का काम जोर पकड़ रहा है। साथ ही बीएमसी चुनाव की तैयारियां भी जारी हैं। राज्य के कई स्थानीय निकायों के चुनाव दो दिसंबर को होने वाले हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना की रैली में पवार ने कहा, 'मुंबई में दोहरे, तिहरे और चौगुने मतदाताओं की संख्या करीब 11 लाख है। हाल ही में एक ट्रेंड देखा गया है, जहां अगर किसी के पक्ष में मतदान नहीं हो रहा है तो कुछ मतदाताओं को अलग वार्डों

में भेज दिया जाता है। मैंने निर्वाचन आयोग से सूची में हुई गलतियों को सुधारने का अनुरोध किया है। ऐसा सालों से हो रहा है। महाराष्ट्र में इस तरह की डबल, ट्रिपल वोटिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी।'

रहीमतपुर नगर परिषद चुनावों से पहले इस रैली में उन्होंने मेयर पद के लिए नंदन सुनील माने का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'चुनाव धमकियां देकर नहीं जीते जाते। मतदाताओं से बदतमीजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉक्टर बाबासाहब आंबेडकर ने हर जाति और धर्म, अमीर और गरीब के लिए वोट के समान अधिकार सुनिश्चित किए हैं। अंगर कोई अधिकारी जानबूझकर या अनजाने में गलती कर रहा है, तो उसे तत्काल सुधारा जाना चाहिए। लोगों को फैसला करने दें कि वो किसे जीतते देखना चाहते हैं।'

अजित पवार के 'वोट तुम्हारे हाथ में है तो निधि हमारे हाथ में है' वाले बयान पर राकंवा (एसपी) चीफ शरद पवार ने सवाल उठाए हैं। गुरुवार को उन्होंने कहा कि पैसों का वादा कर वोट मांगना गलत है। अजित पवार ने पिछले सप्ताह पुणे जिले की बारामती तहसील के मालेगांव में मतदाताओं से कहा कि यदि वे उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को चुनेंगे तो शहर के लिए कोष की कमी नहीं होने देंगे लेकिन अगर मतदाताओं ने उन्हें 'नकार' दिया गया, तो वह भी 'नकार' देंगे।

सड़क हादसों में दो की मौत के मामले में केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। अलग-अलग स्थानों पर हुए तीन सड़क हादसों में युवती समेत दो लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। बौंझा वाली गली दिल्ली गेट निवासी प्रभाकर शर्मा का कहना है कि वह और उनकी 25 वर्षीय बेटी महिमा भारद्वाज 25 नवंबर की सुबह स्कूटी से कॉलेज जा रहे थे। राजनगर एक्सटेंशन फ्लाई ओवर से नीचे उतरते समय तेज रफ्तार में आई बस ने स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी। स्कूटी से गिरकर बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि उन्हें भी चोटें आईं। अस्पताल जाने पर डॉक्टरों ने बेटी को मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में प्रभाकर शर्मा ने 27 नवंबर को नंदग्राम थाने में केस दर्ज कराया। दूसरे मामले में गोविंदपुरम के बालाजी एनक्लेव में रहने वाली विमला देवी का कहना है कि नौ अक्तूबर को गोविंदपुरम स्थित सिटी पार्क के पास वाहन ने उनके बेटे दिनेश गिरी को टक्कर मार दी थी। 11 अक्तूबर को उपचार के दौरान उनके बेटे की मौत हो गई। घटना के संबंध में 27 नवंबर को मधुबन बापूधाम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर हापुड़ मार्ग पर गांव किल्हौड़ा के पास तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। निवाड़ी थानाक्षेत्र के गांव शेरपुर निवासी विक्रांत कुमार बुधवार शाम को किसी काम से हापुड़ की ओर जा रहे थे। जब वह मोदीनगर हापुड़ मार्ग पर गांव किल्हौड़ा में रेलवे पुल के पास पहुंचे तो ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर मौत हो गई।

कार की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। बापूधाम थानाक्षेत्र में तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मुरादनगर थानाक्षेत्र के गांव खुर्रमपुर निवासी संजय सिंह का कहना है कि थाना बिनौली जिला बागपत के गांव रंछाड़ निवासी गौरव कुमार उनके साढ़ हैं। वह वर्तमान में मोरटा स्थित राधा कॉलोनी में रहे रहे हैं। 19 नवंबर को गौरव कुमार बाइक से गाजियाबाद जा रहे थे। मोरटा कट के पास पहुंचने पर पीछे से तेज रफ्तार में आई कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। सड़क हादसे में उनके साढ़ू के पैर, कूल्हे और पसलियों की हड्डी टूट गई और सिर व अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। उन्हें मेरठ के अस्पताल रेफर कर दिया गया।

टक्कर मारने के विरोध पर पिता-पुत्रों पर हमला

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर के दिल्ली-मेरठ मार्ग पर रेलवे रोड के सामने टक्कर मारने का विरोध करना एक व्यक्ति को महंगा पड़ा। ई-रिक्शा चालक ने पहले पिता-पुत्र से मारपीट की, फिर धारदार हथियार से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। नगर की डिफेंस कॉलोनी निवासी उत्कर्ष त्यागी ने बताया कि वह अपने पिता प्रमोद त्यागी ओर भाई अक्षय त्यागी के साथ अपनी बुआ को छोड़ने के लिए दिल्ली-मेरठ मार्ग पर रेलवे रोड पर आए थे। इसी बीच तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने प्रमोद त्यागी को टक्कर मार दी। आरोप है कि जब टक्कर मारने का विरोध किया तो ई-रिक्शा चालक ने धारदार हथियार से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जब उन्हें बचाने के लिए पुत्र उत्कर्ष और अक्षय आए तो उनके साथ भी मारपीट की गई। लोगों को आता देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। एसीपी ने बताया कि ई-रिक्शा चालक की तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

किराये पर 11 ई-स्कूटी लेकर आरोपी फरार हुए

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। वाहन किराये पर देने वाली कंपनी की 11 ई-स्कूटी लेकर आरोपी फरार हो गए। रिकवरी टीम भी इन्हें ट्रेस नहीं कर पा रही। कंपनी ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। कंपनी के प्रतिनिधि अखिल विजयन ने पुलिस को शिकायत दी थी। उनके मुताबिक पूर्व में दिल्ली के करोलबाग निवासी मोहम्मद मुश्ताक, मेरठ निवासी अभिषेक कुमार रूहेला, दिल्ली के जहांगीरपुरी निवासी सचिन कुमार चौरसिया, बिहार के बेतिया निवासी दीपक कुमार, दिल्ली निवासी प्रिंस, इटावा निवासी गौरव राजपूत, सुल्तानपुर निवासी शाहनवाज खान, नोएडा निवासी राहुल कुमार, दिल्ली निवासी मोहम्मद आरजू, दिल्ली निवासी सागर व गुरुग्राम निवासी हेमंत ने बीते कुछ माह के दौरान अलग-अलग समय पर उनकी कंपनी से ई-स्कूटी किराये पर ली थी। तय समय पर इसे नहीं लौटाया और न ही अतिरिक्त समय का किराया दिया। रिकवरी टीम इनके पते पर पहुंची तो कोई नहीं मिला। फर्जी पते पर आरोपी स्कूटी लेकर फरार हो गए। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

भूखंड दिलाने के नाम पर 40 लाख रुपये ठगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर में पांच सौ मीटर भूखंड दिलाने का झांसा देकर ईदगाह कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति से 40 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। आरोपी मुरादनगर में कई लोगों के साथ ठगी कर चुका है। नगर की ईदगाह कॉलोनी निवासी जावेद मंसूरी ने बताया कि उनके पिता जान मोहम्मद ने वर्ष 2022 में अरुण कुमार नामक व्यक्ति से शाहजादपुर रोड पर एक कॉलोनी में पांच सौ मीटर का भूखंड 40 लाख रुपये में तय किया था। छह माह के अंदर पूरा भुगतान कर दिया और बैनामा की तारीख रख दी गई। बैनामा पर अरुण कुमार नहीं आए और आनाकानी करने लगे। इसी बीच पता चला कि आरोपी मुरादनगर शहर में दर्जनों लोगों के साथ ठगी कर फरार हो गया है। पीड़ति ने इस संबंध में डीसीपी ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी को शिकायत दी है। डीसीपी ने मामले की एंटी फ्रॉड सेल से जांच कराकर मुरादनगर थाने को रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए। सीओ ने बताया कि अरुण कुमार निवासी पुरानी गुड़ मंडी कॉलोनी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गाजियाबाद में सनसनीखेज मामला: हत्या की नीयत थी, लूट की नहीं ...

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कविनगर में गुरुवार को एक बुजुर्ग दंपती पर धारदार हथियार से हुए हमले की जांच कर रही पुलिस का मानना है कि हमलावर का इरादा नरेंद्र शर्मा की हत्या करना था। अगर उसका इरादा महिला के गहने चुराने का होता, तो वह पहले महिला पर हमला करता। लेकिन, हमलावर ने नरेंद्र शर्मा पर हमला कर दिया। जब शर्मा अपने पति को बचाने के लिए महिला से भिड़ीं, तो हमलावर ने उन पर भी हमला कर दिया।

शोर सुनकर पड़ोसियों के आने से घबराकर हमलावर भाग गया। पुलिस ने मौके से मिला हेलमेट कब्जे में लिया और आस-पास के CCTV फुटेज की जांच की, जिसमें पार्क में सिर्फ एक युवक दिखा।

कविनगर पुलिस की जांच और आस-पास के CCTV फुटेज से पता चला है कि बुजुर्ग दंपती पर हमला करने वाला युवक सुबह 11:30 बजे बाइक से कॉलोनी में आया और पार्क के अंदर चला गया। युवक ने पूरे समय हेलमेट पहना हुआ था। जब वह दोपहर करीब 2:15 बजे नरेंद्र शर्मा के घर में घुसा, तो उसने हेलमेट नहीं पहना हुआ था। पुलिस का मानना है कि जिस तरह से युवक ने नरेंद्र शर्मा पर हमला किया, उससे लगता है कि उसका इरादा बुजुर्ग को लूटने का नहीं, बल्कि उनकी हत्या करने का था।

हमलावर ने पहले नरेंद्र शर्मा पर हमला किया, लेकिन बुजुर्ग मधु शर्मा ने उन्हें बचाने के लिए उसका सामना किया। जब हमलावर अपना हेलमेट छोड़कर भाग गया तो पड़ोसी दौड़कर आए। पुलिस का कहना है कि हमलावर के पकड़े जाने के बाद ही पता चलेगा कि उसे किसने टोह लेने और फिर भागने का निर्देश दिया था।

गुरुवार दोपहर कविनगर थाना क्षेत्र में रहने वाले 72 साल के रिटायर्ड DCC कर्मचारी नरेंद्र शर्मा और उनकी पत्नी 70 साल की मधु शर्मा के घर में एक युवक पानी मांगने के बहाने घुसा और उन पर पेपर कटर से हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। बुजुर्ग के दामाद नितिन शर्मा की शिकायत पर कविनगर थाने में अज्ञात हमलावर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पुलिस का कहना है कि दामाद ने झुमके और चेन चोरी का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। ACP कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि हमलावर की तलाश की जा रही है। तीन टीमें घटनास्थल और आस-पास के इलाकों से CCTV फुटेज खंगाल रही हैं ताकि अपराधी की तलाश की जा सके। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और घटना का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

मेवा नवादा में आत्महत्या कोर्ट के आदेश पर ग्राम प्रधान पति सहित कई पर मुकदमा दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम मेवा नवादा में कुछ माह पूर्व हुई मौजूदा ग्राम प्रधान की पत्नी की संदिग्ध आत्महत्या के मामले में अब बड़ा खुलासा सामने आया है। बिजनौर न्यायालय के आदेश पर थाना स्योहारा पुलिस ने ग्राम प्रधान पति इशरत अली समेत कई लोगों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है।

मुकदमे में इशरत अली (बूथ अध्यक्ष भाजपा, पुत्र दीन मुहम्मद), हारून (पुत्र अनवार), दानिश (पुत्र इस्लामुद्दीन), राशिद डीलर (पुत्र फुरसत), पुष्पेंद्र (भाजपा बूथ अध्यक्ष, पुत्र बलबीर) तथा वहाजुद्दीन (पुत्र अहसान), निवासी ग्राम मेवा नवादा को आरोपी बनाया गया है।

आरोप है कि मृतका के साथ क्रूरता की गई। आत्महत्या को अन्य दिशा देने के लिए आपराधिक साजिश रची गई। मुख्य अपराधी को बचाने के लिए पुलिस को झूठी व भ्रामक जानकारी दी गई। न्यायालय के निर्देश पर दर्ज मुकदमे में इन सभी के खिलाफ गंभीर धाराएँ लगाई गई हैं।

अब देखना यह होगा कि पुलिस इस मामले में कितनी निष्पक्ष जांच करती है और क्या पीड़ित पक्ष को न्याय मिल पाता है। पुलिस कार्रवाई एवं आगामी जांच की दिशा पर क्षेत्र में कड़ी नजर बनी हुई है।

दहेज दरिन्दों ने गर्भवती नवविवाहिता को, तेजाब पिला कर उतारा मोत के घाट

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

थाना क्षेत्र के एक ग्राम में एक नवविवाहिता गर्भवती महिला को ससुराल पक्ष ने तेजाब पिलाकर मौत के घाट उतार दिया,और विवाहिता को बीमार बताकर उसके मायके छोड़कर मौके से फरार हो गए। विवाहिता के परिजन महिला को नगीना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां पर चिकित्सकों ने परीक्षण करने के बाद उसको मृत घोषित कर दिया। मृतका के परिजनों ने घटना की जानकारी तहरीर द्वारा पुलिस को दे दी।

पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई करते हुए पंचनामा भरकर ऑटोप्सी के लिए बिजनौर भेज दिया।घटना से महिला के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

मिली जानकारी के मुताबिक नगीना थाना अंतर्गत ग्राम हरगांव चांदन निवासी मनीष की पत्नी ममतेश 22 वर्ष जो की ग्राम में ही रहती थी,।जबकि उसका पति कहीं बाहर रहकर कार्य करता है। ममतेश की ससुराल पक्ष उसको दहेज में 50000 सोने की अंगूठी आदि की मांग को लेकर आए दिन प्रताड़ित करते रहते थे। शुक्रवार को ममतेश के ससुराल वालों ने अपनी दहेज की मांग को दोहराते हुए उसके साथ मारपीट कर उसे जबरदश्ती तेज़ाब पिला दिया।,जिससे उसकी हालत बिगड़ गई।हालत बिगड़ने पर उसके सास,ससुर आदि ने ममतेश को उसके मायके ग्राम तिबड़ी मन्झेड़ा में उसके पिता अमरपाल के घर यह कहकर छोड़ दिया कि इसकी तबीयत खराब हो गई, और वहां से फरार हो गए। उसकी बिगड़ती हालत देखकर तुरंत परिजनों ने उसको नगीना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

साथ ही 112 नंबर डायल कर पुलिस को भी सूचित किया। ममतेश के परिजन उसे नगीना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर जब पहुंचे और चिकित्सकों ने उसका परीक्षण कर उसे मृत घोषित कर दिया। ममतेश की मृत्यु से परिजनों में हाहाकार मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही सीओ नगीना अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर घटना की जानकारी ली। पुलिस ने विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर एस आई अरविंद कुमार ने तहसीलदार अजब सिंह राणा की मौजूदगी में पंचनामा भरकर शव को ऑटोप्सी के लिए बिजनौर भेज दिया।, परिजनों द्वारा सुसराल पक्ष के खिलाफ तहरीर देने की तैयारी चल रही है।

सर्व ब्राह्मण महासभा सम्पूर्ण भारत के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

सर्व ब्राह्मण महासभा सम्पूर्ण भारत के जिला अध्यक्ष संदीप शर्मा के नेतृत्व में देश के कार्यकर्ता व सदस्य ने एसडीएम नगीना नितिन कुमार को राष्ट्रपति भारत के नाम ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन में कहा गया है कि मीडिया के माध्यम से यह जानकारी व्यापक रूप से सामने आई है कि मध्य प्रदेश की आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के आरक्षण जैसे अत्यंत संवेदनशील विषय पर एक ऐसा बयान दिया गया है जो कि न केवल अमर्यादित अनुचित और सामाजिक मर्यादा को आहत करने वाला है।

बल्कि एक विशिष्ट समुदाय ब्राह्मण समाज के प्रति भी अपमानजनक एवं अवमानना पूर्ण माना गया है। एक अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी द्वारा सार्वजनिक मंच पर इस प्रकार की टिप्पणी करना संविधान सामाजिक सद्भाव और प्रशासनिक आचार संहिता सभी के विरुद्ध है। इससे न केवल आरक्षण की सर्ववैधानिक व्यवस्था पर अनगर्ल टिप्पणी हुई है बल्कि ब्राह्मण समुदाय की गरिमाऔर सम्मान को ठेस पहुंची है जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।

महामहिम राष्ट्रपति से विन्रम निवेदन है कि निम्न बिंदुओं पर तत्काल संज्ञान किया जाए और संतोष वर्मा के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए संतोष वर्मा द्वारा दिए गए कथन में प्रयुक्त शब्दावली ब्राह्मण समाज की गरिमा परंपराओं और सामाजिक सम्मान को प्रत्यक्ष रूप से ठेस पहुंचती है।

अतः मध्य प्रदेश सरकार से अपील है कि एक इस संतोष वर्मा जो एससी एसटी अधिकारी कर्मचारी संगठन का प्रांतीय अध्यक्ष बना हुआ है ब्राह्मण समाज के की प्रति जो है।

मर्यादित शब्दों का प्रयोग किया है। इस दुशासी बुद्धि हीन व्यक्ति ने अमानवीय भाषा बोलकर इस पद की गरिमा एवं संपूर्ण समाज का अपमान किया है। इसलिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इस व्यक्ति पर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

ब्राह्मण महासभा ने ज्ञापन द्वारा मांग की है कि ब्राह्मण स्वर्ण एवं सभ्य समाज के विरुद्ध गंदी भाषा का प्रयोग करने वाले संतोष वर्मा को तत्काल प्रभाव से बर्खाश्त करके विरुद्ध जांच बैठा कर दंडात्मक कार्रवाई की जाए ताकि समाज में गंदे शब्दों द्वारा जहर घोलने वाले को सबक मिल सके। अन्यथा की स्थिति में ब्राह्मण समाज ही नहीं भारत का संपूर्ण सभ्य समाज इसके विरोध में सड़कों पर उतरकर जबरदश्त आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी मध्य प्रदेश सरकार की होगी।

ज्ञापन देने वालों में जिला अध्यक्ष संदीप शर्मा, सचिन शर्मा, एडवोकेट दीपक तिवारी, रामकुमार शर्मा, संजय शर्मा मेडिकल वाले, उमेश चंद शर्मा, राजकुमार शर्मा, सभासद संजीव दत्त शर्मा उर्फ गोपाल, दर्शन शर्मा, विकास शर्मा हर्ष शर्मा, लक्ष्य शर्मा, रवि दत्त शर्मा, आदि लोग उपस्थित रहे।

समजसेवी वसीम कुरैशी के ऑफिस पर लगा SIR कैंप लोगो को मिल रहा है लाभ

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

एसआईआर. को गति देते हुऐ 04 नवम्बर से मोहल्ला मुनीरगंज पालोमल कॉलोनी स्थित वरिष्ठ समाजसेवी वसीम कुरैशी के कैंप कार्यालय पर एसआईआर का काम बहुत तेजी के साथ किया जा रहा है। अभियान में दशतावेजों को पूर्णता भरकर अभियान को गति देने का कार्य करने में जुटे है। वरिष्ठ समाजसेवी वसीम कुरैशी के कैंप कार्यालय पर लगातार एस.आई.आर. फार्म भरने का अभियान के तहत सुविधा कैम्प लगाया जा रहा है। भारी संख्या में रोजाना लोग उनके ऑफिस में पहुंच कर अपने दशतावेज़ों की जानकारी प्राप्त कर रहे है और अपना अपना फार्म बी. एल. ओ और कैंप की मदद से भरने का कार्य कर रहे है। ऑफिस पर पूर्व शिक्षक मास्टर मोहम्मद असलम और पूर्व प्रधानाचार्य अब्दुल सत्तार ने प्रेस को जानकारी देते हुऐ बताया की क्षेत्रवासियों को विशेष रूप से अपने फ़ॉर्म आगामी 5 दिसम्बर से पहले पहले हर हाल में संबंधित BLO के पास जमा कर दें, ताकि उनका नाम सही समय पर सूची में दर्ज हो सके। इस एस.आई.आर. अभियान में हाजी शमीम कुरैशी, इरफ़ान कुरैशी, मुफ्ती मोहम्मद सलमान, हाजी जब्बार, साहिल हुसैन, नईम अहमद, अनीस अहमद, अहसान अहमद, सुरेंद्र मुंशी, महफूज, जीशान अहमद आदि लोगो का सहयोग रहा।

विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में दो दिवसीय वार्षिक निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

बलराम कुंवर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में विद्या भारती के निर्देशानुसार दो दिवसीय वार्षिक निरीक्षण किया गया। प्रधानाचार्यों की एक टीम ने कॉलेज की शैक्षिक गुणवत्ता और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया।

विद्या भारती कार्यकारिणी की सदस्य पूनम सिंह भंडारी के नेतृत्व में प्रधानाचार्यों की टीम नहटौर स्थित विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पहुंची। कॉलेज के प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार ने टीम का स्वागत अंग वस्त्र भेंट कर किया। निरीक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। निरीक्षण टीम ने कक्षाओं में जाकर शैक्षिक व्यवस्था, खेल सुविधाएं, पुश्तकालय और विज्ञान प्रयोगशाला का गहन स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान, टीम ने छात्राओं से पढ़ाए जा रहे विषयों से संबंधित जानकारी भी ली। केरना के प्रधानाचार्य राजीव कुमार ने बताया कि विद्यालय का निरीक्षण एक व्यवस्थित मूल्यांकन प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य स्कूल की शैक्षिक गुणवत्ता, प्रशासनिक व्यवस्था, सुविधाओं, कर्मचारियों, कार्यक्रमों और छात्रों के प्रदर्शन की जांच करना है। उन्होंने आगे बताया कि निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यालय की कमजोरियों और सुधार के क्षेत्रों पर वश्तुनिष्ठ प्रतिक्रिया देना है। यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो रहा है और वे साक्षर बन रहे हैं। इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक राजीव कुमार, योगेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह, परविंदर सिंह, खिलेंद्र सिंह और विजयपाल सहित टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। विद्या भारती कार्यकारिणी की सदस्य पूनम सिंह भंडारी ने छात्र-छात्राओं को बोध कथाएं सुनाकर उनके ज्ञान का परीक्षण भी किया।

SIR में कैंप लगा कर इब्राहिमने झोकी ताकत

एनसीआर टुडे. नजीबाबाद। मोहल्ला पठानपुरा वार्ड नंबर 17 में सभासद पति मोहम्मद इब्राहिम एडवोकेट के आवास पर विगत 4 नवम्बर से लगातार एस.आई.आर. फार्म भरने का अभियान के तहत सुविधा कैम्प लगाया जा रहा है।

कैम्प में भारी संख्या में रोजाना लोग पहुंच कर अपने दशतावेज़ों की जानकारी प्राप्त कर रहे है और अपना अपना फार्म बी. एल. ओ और कैंप की मदद से भरने का कार्य कर रहे है। इस मौके पर वार्ड नंबर 17 के सभासदपति मोहम्मद इब्राहिम एडवोकेट ने प्रेस को जानकारी देते हुऐ कहा की क्षेत्रवासियों को विशेष रूप से अपने फ़ॉर्म आगामी 5 दिसम्बर से पहले पहले हर हाल में संबंधित BLO के पास जमा कर दें, ताकि उनका नाम सही समय पर सूची में दर्ज हो सके।

फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन, एसडीएम व चेयरमैन संघ के जिलाध्यक्ष ने संयुक्त रूप से काटा फीता

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

उपजिलाधिकारी नितिन कुमार व चेयरमैन संघ के जिलाध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व गुब्बारे उड़ा कर फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन किया।

शुक्रवार की दोपहर हिंदू इंटर कॉलेज के पास मैदान में सात दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन ढोल नगाड़ों के साथ फुटबॉल प्रेमियों से खचाखच भरे मैदान में किया गया। यह टूर्नामेंट हर साल की तरह इस साल भी नगीना फुटबॉल क्लब द्वारा लोकप्रिय पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष व वर्तमान अध्यक्षा के पति स्वर्गीय शेख खलीलुर्रहमान की याद में आयोजित किया गया है।

उद्घाटन मैच सिरसी व काशीपुर के बीच खेला गया जिसे सिरसी ने 2-1 के स्कोर से जीत लिया। सिरसी के कप्तान कसीम अहमद व काशीपुर के कप्तान हरेंद्र नेगी के नेतृत्व में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मैच में रेफ्री सुभाष कपूर उर्फ़ पप्पी रहे। जबकि कमेंट्री इरफ़ान अंसारी, मास्टर शहज़ाद, आज़म मुल्तानी ने की।

पिता की याद में आयोजित इस उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे विशिष्ट अतिथि चेयरमेन संघ के जिलाध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील ने कहा कि जीवन में व्यायाम व खेलकूद बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि नगर में इस तरह के टूर्नामेंट का आयोजन होने से युवाओं को अपनी प्रतिभा को दिखाने का अवसर मिलता है। उन्होंने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए किसी भी प्रकार की सहायता करने का आश्वासन दिया। क्लब के अध्यक्ष सुभाष कपूर उर्फ़ पप्पी ने बताया कि टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग ले रही है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार को दो मैच खेले जाएंगे। पहला मैच कादराबाद व धामपुर और दूसरा मैच नगीना व हरिद्वार के बीच खेला जाएगा।

इस अवसर पर अतीक अहमद भारती, शारिक सुल्तान, इश्तियक अहमद उर्फ़ बाबू भाई लाठी वाले, अब्दुल समद, सुनील कुमार, प्रदीप गर्ग, मोहित गोयल, मंजीत बिश्नोई, डा०दिनेश, ब्रजमोहन बल्ली, मक़सूद उस्मानी, इक़बाल कुरैशी, शेख जमशेद, राकेश कर्णवाल, शाहिद अली गौहर, इसतेखार कुरैशी, जुबैर ज़ैदी, अंजार सैफी, शेख शददन, ताहिर मुल्तानी, जुनैद कुरैशी, सिद्दीक मुल्तानी, इरफ़ान सिद्दीकी, अब्दुल मालिक, विनोद अग्रवाल, शेख नौशाद, मास्टर शहज़ाद, इरफ़ान अंसारी, आज़म मुल्तानी, सुभाष कपूर पप्पी, शिब्ली निसार, गफ्फार मुल्तानी, तफसीर अहमद गुड्डे, आलमगीर खलीफा, आरिफ मुल्तानी, जहांगीर खलीफा, शमशाद मुल्तानी, आबिद मुल्तानी, शाकिर उस्मानी, मास्टर शहज़ाद सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी मौजूद रहे।

टक्कर मारने का आरोप लगाकर युवक पीटा

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। सिहानी गेट थानाक्षेत्र में टक्कर मारने का आरोप लगाकर कार सवारों द्वारा युवक की बेरहमी से पिटाई करने का मामला सामने आया है। पीड़ित के मुताबिक आरोपी नशे में थे। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। थाना बादलपुर जिला गौतमबुद्धनगर की साईंलोक कॉलोनी-प्रथम में रहने वाले निखिल यादव का कहना है कि 26 नवंबर को वह राकेश मार्ग से नासिरपुर फाटक होते हुए गाड़ी से घर लौट रहे थे। शाम करीब साढ़े सात बजे जैसे ही वह नासिरपुर फाटक के पास पहुंचे तो उनके आगे चल रही कार से चार-पांच युवक उतरे, जो कि नशे में थे। कार सवार युवकों ने उन्हें रोका और गाड़ी में टक्कर मारने का आरोप लगाया। उन्होंने टक्कर मारने से इनकार किया, लेकिन इसके बावजूद कार सवारों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में उन्हें काफी चोट आई। इस दौरान आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

नई रेल सेवा की शुरूआत

समस्त रेलयात्रियों को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा दिनांक 01.12.2025 से शकूरबस्ती एवं जैसलमेर स्टेशनों के बीच एक नई सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलगाड़ी सेवा संख्या 12249/12250 (प्रतिदिन) की सेवा का शुभारम्भ किया जायेगा। इस रेलगाड़ी की समय–सारणी एवं ठहराव निम्नानुसार होंगे:–

12249/12250 शकूर बस्ती–जैसलमेर–शकूर बस्ती सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलगाड़ी (प्रतिदिन)

रेलगाड़ी सं. 12249		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 12250	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
...	17:10	शकूरबस्ती	09:30	...
17:54	17:56	दिल्ली कैंट	08:35	08:37
18:11	18:13	गुड़गाँव	08:18	08:20
19:05	19:07	रेवाड़ी	07:28	07:30
20:06	20:09	अलवर	05:29	05:32
21:10	21:12	दौसा	04:14	04:16
22:30	22:40	जयपुर	03:20	03:30
23:33	23:35	फुलेरा	02:25	02:27
00:13	00:15	नावा सिटी	01:32	01:34
00:29	00:31	कुचामन सिटी	01:16	01:18
00:44	00:47	मकराना	00:51	00:54
01:17	01:20	डेगाना	00:18	00:21
01:49	01:54	मेड़ता रोड	23:42	23:47
03:40	04:00	जोधपुर	21:50	22:20
05:01	05:03	ओसियां	20:14	20:16
05:37	05:39	मारवाड़ लोहावट	19:41	19:43
06:12	06:17	फलोदी	19:05	19:10
07:01	07:04	रामदेवरा	18:18	18:21
07:16	07:18	आशापुरा गोमट	18:08	18:10
09:00	...	जैसलमेर	...	17:00

चलने के दिन : 12249 शकूर बस्ती से दिनांक 01.12.2025 से (प्रतिदिन) और 12250 जैसलमेर से दिनांक 02.12.2025 से (प्रतिदिन)।

स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे आपकी सुविधा–हमारा ध्येय

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

3696/2025

संपादकीय

बिहार पर भाजपाई जीत का मतलब

नतीजों के गणित से भाजपा भले सबसे बड़ी पार्टी बनी लेकिन सीटों का सबसे ज्यादा लाभ जदयू को हुआ और चुनाव पूरी तरह नीतीश कुमार के नाम पर लड़ा गया। लेकिन नतीजे आते ही भाजपा बिहार जीतती लग रही है। सरकार पर उसके दबदबे से लेकर विपक्ष के ध्वस्त होने, जदयू के अंदर उसकी ज्यादा चलने और आगे की राजनीति में पक्ष-विपक्ष में कोई और प्रतिद्वंद्वी न दिखने से भाजपा बम बम है। भाजपा के स्टार प्रचारक और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी जनसभाओं में अक्सर एक वाक्य कहा करते हैं-'बंटोगे तो कटोगे, एक रहोगे तो सेफ रहोगे'। यह बात वे हिन्दू-मुसलमान ध्रुवीकरण कराने और जातियों में बंटे हिन्दू समाज की जातिगत गोलबंदियों को तोड़ने के लिए कहा करते हैं। लेकिन बिहार विधान सभा के 2020 और 2025 के चुनाव के अनुभव पर यह बात ज्यादा अच्छी तरह लागू होती है। एनडीए नामक गठबंधन तब भी बिहार में था और नीतीश कुमार भी साथ थे लेकिन राजद के नेतृत्व वाला विरोधी महागठबंधन बस किसी तरह हार पाया- अगर बेइमानी वाले आरोप भूल भी जाएं तो पूरे बिहार स्तर पर वोटों का अंतर मात्र कुछ हजार का था। तब स्पष्ट लगता था कि भाजपा बिहार जीतना चाहती है और नीतीश को किनारे बैठा देना चाहती है। उसने नीतीश के खिलाफ मीडिया से लेकर मुंहामुंही अभियान चलाया और शासन में ठीक-ठाक काम करके भी उनकी छवि अवांछित बूढ़े वाली हो गई थी।

और इस काम में चिराग पासवान की खुली सेवाएं ली गईं जिन्होंने एनडीए में रहते हुए जदयू के सभी उम्मीदवारों के खिलाफ लोजपा के उम्मीदवार उतारे थे और बुरी पराजय के बावजूद भाजपा से पुरस्कृत हुए। संयोग ऐसा हुआ कि रिजल्ट ऐसे आये कि नीतीश के बगैर काम नहीं चलने वाला था और फिर उन्हीं ने जो जो कहा भाजपा ने माना। इस बार एनडीए एक रहा और सेफ रहा। सम्राट चौधरी, दिलीप जायसवाल, संजय जायसवाल और मंगल पांडेय के खिलाफ प्रशांत किशोर के आरोपों के बाद भी पंगु बन गई भाजपा ने नीतीश की आड़ रही, चिराग अनुशासित रहे और एनडीए ने भारी जीत हासिल कर ली।

नतीजों के गणित से भाजपा भले सबसे बड़ी पार्टी बनी लेकिन सीटों का सबसे ज्यादा लाभ जदयू को हुआ और चुनाव पूरी तरह नीतीश कुमार के नाम पर लड़ा गया। लेकिन नतीजे आते ही भाजपा बिहार जीतती लग रही है। सरकार पर उसके दबदबे से लेकर विपक्ष के ध्वस्त होने, जदयू के अंदर उसकी ज्यादा चलने और आगे की राजनीति में पक्ष-विपक्ष में कोई और प्रतिद्वंद्वी न दिखने से भाजपा बम बम है। यह चुनाव उसने बिना नेता, बिना कोई नया सामाजिक आधार जोड़े और सिर्फ संसाधनों तथा प्रबंधन के सहारे जीता।

और संसाधनों में कितना उसका अपना फंड था और कितना केंद्र सरकार का यह भी विवाद का मुद्दा हो सकता है। और जिस तरह से उसने चुनाव के पहले दर्जन भर योजनाओं में धन बढ़ाकर लोगों को अपनी तरफ मोड़ा वह शैली भी नीतीश कुमार की न थी। जदयू के अंदर भी भाजपा की तरफ रुझान रखने वाले नेताओं का दबदबा बढ़ा है। चुनाव लड़ा तो गया नीतीश कुमार के नाम पर लेकिन ठीक चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ही नहीं जदयू नेता ललन सिंह ने भी कह दिया कि नेता विधायक दल में चुना जाएगा। मंत्रालयों के बंटवारे में भाजपा कोटे से ज्यादा लोग मंत्री बने और गृह मंत्रालय पहली बार नीतीश कुमार से छिना। बिहार के नतीजों को लेकर विपक्ष अब देश और प्रदेश में एक नया ही मुद्दा उठाया जा रहा है-धांधली का। वह कहां तक जाएगा, कितना सही गलत है यह इस आलेख का विषय नहीं है। लेकिन जो साफ दिख रहा है वह यही है कि अब बिहार की सरकार ही नहीं राजनीति की पूरी डोर ही भाजपा के हाथ में आ गई है। और सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, मंगल पांडेय जैसों को मंत्री बनाकर भाजपा नेतृत्व ने साफ संकेत दिया है कि उसके लिए मनमानी करना ही सबसे कुशल प्रबंधन है। जिस तरह उसने चुनाव जीता है उसमें यह बात शामिल थी कि प्रबंधन और संसाधन से हम कुछ भी हासिल कर सकते हैं।

इस बार न जाति का कार्ड चला न संप्रदाय का। और अगर पुराने फार्मूले की अभ्यश्त राजद या सामाजिक न्याय का नया चैंपियन बनाने में लगी कांग्रेस ने दुलारचंद यादव हत्याकांड के बाद जातिगत धुरवीकरण करने की कोशिश की तो इस बार उसे भी भाजपा के कुशल रणनीतिकारों ने जंगल राज से जोड़कर यादव राज आने के डर में बदल दिया। यह डर अगड़ों में तो हुआ ही अति पिछड़ा, पिछड़ा(यादव के अलावा), दलितों और मुसलमानों में भी आ गया।

यह नया बिहार है और इसे बनाने का श्रेय भाजपा को दिया जाए न जाए लेकिन इसकी समझ अकेले उसके रणनीतिकारों को थी। बिहार में विकास की बयार बहती हो ऐसा नहीं है पर वह मण्डल-कमंडल की राजनीति से आगे आ चुका है यह कहने में हर्ज नहीं है। और इसकी समझ ज्यादातर राजनैतिक पंडितों को नहीं थी। इसी मामले में प्रशांत किशोर थोड़े अलग हैं लेकिन उनकी चुनावी लड़ाई की कमियों के बारे में बहुत कुछ कहना पड़ेगा। उन्होंने भी नई राजनीति की जमीन बनाने में एक भूमिका निभाई है। भाजपा की खूबी यह है कि सत्ता में होते हुए और संघ जैसे जड़ संगठन के साथ रहते हुए भी उसने मजे से अपने अंदर बदलाव किया। हिन्दुत्व का कार्ड मद्धिम पड़ता गया है और मोदी का मैजिक(जिनमें झूठा स्वर्ग दिखाने का खेल शामिल था) टूटते जाने के साथ उसने शासन और डायरेक्ट डिलीवरी का ऐसा दो आधार अपनाया है कि विपक्ष और उसकी सरकारों को दिक्कत होने लगी है। मुख्य विपक्षी कांग्रेस समेत सारे विपक्ष को सचमुच बहुत कुछ नहीं सूझ रहा है। और कुछ न हो तो वोट चोरी या ईवीएम का मुद्दा उठाते रहने से उस सवाल का महत्व भी कम हुआ है। बिहार चुनाव के बाद एक बार फिर यही किया जा रहा है। संयोग से बंगाल, केरल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में अभी चल रहे गहन मतदाता सर्वेक्षण में दिख रही कमजोरियों और विपक्ष के मजबूत दलों के भी शोर मचाने से यह मुद्दा जिंदा है।

पर कांग्रेस और विपक्ष 2024 के लोक सभा चुनाव में मिले बेहतर परिणामों के बाद जिस कदर चुप रहा है और बिखरा है उसमें बिहार चुनाव नरेंद्र मोदी और भाजपा की राजनीति को चमकाएंगे क्योंकि अभी तक कभी हाथ न आया बिहार अब उनके हाथ आ गया है। फिर जिन राज्यों में कांग्रेस या विपक्ष की सरकारें हैं वहां शासन में साल-सवा साल में कुछ नया न कर पाने से भी 2024 में मद्धिम पड़ी मोदी राजनीति को लाभ हुआ है। बिहार के धक्के के बाद विपक्षी कैसे संभलता है और मोदी जी उसका कैसा उपयोग करते हैं इस पर सबकी नजर है। वे बंगाल की तरफ बढ़ने का इशारा लगातार दे रहे हैं। बंगाल में विपक्षी एकता शून्य है लेकिन तृणमूल ने अकेले भाजपा को बाहर रखा है। देखना है कि अब कैसी लड़ाई होती है।

नीतीश के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजस्व

अजीत द्विवेदी

क्रिकेट के खेल की तरह राजनीति को भी अनिश्चितताओं का खेल माना जाता है। लेकिन नीतीश कुमार ने इसको भी इतनी प्रेडिक्टेबल बना दिया है कि जिसको राजनीति की ज्यादा समझ नहीं होती है वह भी कहता है कि बिहार के मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही बनेंगे। इसके बाद मजाकिया अंदाज में यह भी कहा जाता है कि चाहे जिसके साथ बनाएं लेकिन सरकार नीतीश ही बनाएंगे। हालांकि अब आगे शायद ऐसा नहीं हो पाए क्योंकि विधानसभा में संख्या का हिसाब इस बार कुछ अलग है।

बहरहाल, चुनाव नतीजों में एनडीए के जीते विधायकों की बड़ी संख्या को छोड़ दें तो कुछ भी चौंकाने वाला नहीं है। चुनाव नतीजे और सरकार का गठन वैसे ही हुआ है, जिसकी उम्मीद की जा रही थी।

चूंकि यह लगातार पांचवीं बार नीतीश कुमार की निरंतरता के लिए दिया गया जनादेश है इसलिए नई सरकार को कोई हनीमून पीरियड भी नहीं दिया जा सकता है। इसका अर्थ है कि पहले दिन से सरकार को अपने किए गए वादों को पूरा करने के लिए काम करना होगा और पहले दिन से हिसाब मांगा जाएगा।

ध्यान रहे सरकार के सामने कम से कम अभी राजनीतिक चुनौती नहीं है। हालांकि आगे इसके आसार हैं। भारतीय जनता पार्टी की ओर से जिस समय अपना मुख्यमंत्री बनाने का प्रयास होगा उस समय चुनौती आएगी। लेकिन ऐसा लग रहा है कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव तक ऐसा नहीं होगा। सरकार के सामने कोई प्रशासनिक चुनौती भी नहीं है क्योंकि नौकरशाही वही है, जो पिछले 20 साल से नीतीश कुमार के साथ काम कर रही है। उनकी पसंद के अधिकारी सभी महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हैं और उनको पता है कि सरकार को किस एजेंडे को प्राथमिकता में रख कर काम करना है। इस बार चुनाव में भाजपा और जनता दल यू के बीच पहले से बेहतर तालमेल दिखा है। अब यह देखना होगा कि शासन चलाने में दोनों का तालमेल वैसा ही रहता है या नहीं?

माना जा रहा है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी सरकार पर पहले से ज्यादा नियंत्रण रखने का प्रयास करेगी। इसके तीन कारण हैं। एक कारण तो यह है कि नीतीश कुमार की सेहत पहले जैसी नहीं है और वे खुद रोजमर्रा के कामकाज को संभालने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं लेते हैं। दूसरा कारण यह है कि भाजपा को बहुत ज्यादा सीटें मिली हैं।

वह बिहार विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी बनी है, ऐसा पहली बार हुआ है। तीसरा कारण यह है कि बिहार में विकास की और लोक कल्याण की योजनाओं के लिए केंद्र सरकार से ज्यादा आवंटन मिलने की संभावना है, जिसके लिए बेहतर तालमेल की आवश्यकता है।

फिर सवाल है कि सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या है? सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजस्व की है। चुनाव से पहले सरकार ने जो वादे किए हैं उन वादों को पूरा करने के लिए बड़े राजस्व की जरुरत है।

यहां यह ध्यान रखने की जरुरत है कि पहले नीतीश का विपक्ष लालू प्रसाद या तेजस्वी यादव होते थे, जो सरकार के ऊपर ज्यादा हमले नहीं करते थे क्योंकि उनको उम्मीद लगी रहती थी कि कब नीतीश के साथ सरकार बनाने का मौका मिल जाए!

दूसरे वे हमला करते थे तो लोग उनसे उनके राज के बारे में पूछने लगते थे। लेकिन अब प्रशांत किशोर के रूप में बिहार में एक सजग विपक्ष मौजूद है, जिसके ऊपर पहले के शासन का कोई बैगेज नहीं है।

उन्होंने कहा भी है कि सरकार की योजनाओं और वादों को पूरा करने पर उनकी नजर रहेगी। वे इसमें सरकार की विफलता का मुद्दा उठाएंगे। सरकार की शपथ के दिन महात्मा गांधी के भितिहरवा आश्रम में एक दिन का उपवास करके उन्होंने अपने इरादे बता दिए हैं। सो, सरकार को गंभीर हो जाना होगा।

अभी एक करोड़ 51 लाख महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए गए हैं। बचे हुई करीब सवा करोड़ महिलाओं के खाते में यह रकम जानी है। उसके बाद लाखों महिलाओं को दो दो लाख रुपए देने का भी वादा है। इसके लिए पैसे कहां से आएंगे? ऐसे ही एक करोड़ नौकरियों और रोजगार का वादा है, जिसके लिए लाखों सरकारी पद सृजित करने होंगे। सरकार ने उद्योग में एक लाख करोड़ रुपए के निवेश का वादा किया है। नए स्कूल, कॉलेज और अस्पताल बनवाने के वादे हैं।

125 यूनिट फ्री बिजली के बाद हर घर पर सोलर पैनल लगवाने का वादा है। सवाल है कि सरकार के पास राजस्व बढ़ाने का क्या तरीका है? क्या केंद्र के अनुदान और देसी, विदेशी संस्थाओं के कर्ज के भरोसे इतने वादे किए गए हैं? ध्यान रहे बिहार पर पहले से ही बहुत ज्यादा कर्ज है और हर दिन बिहार 63 करोड़ रुपया कर्ज के ब्याज के तौर पर चुका रहा है। सो, नया कर्ज बहुत सोच समझ कर लेना होगा।

एक सवाल यह भी है कि शराबबंदी का क्या होगा? इससे सालाना 20 से 25 हजार करोड़ रुपए के राजस्व का घाटा हो रहा है। प्रशांत किशोर ने शराबबंदी खत्म करने का वादा किया था। यह नीतीश कुमार की लीगेसी है, जिसे देखना है कि कितने समय तक चलाया जाता है?

यह सही है कि सरकार के सामने मुख्य रूप से आर्थिक चुनौती है और कोई राजनीतिक या प्रशासनिक चुनौती नहीं है। लेकिन एक बात हमेशा ध्यान में रखने की है कि जब इतना बड़ा बहुमत मिलता है तो उसके बाद अनदेखे राजनीतिक संकट खड़े होते हैं।

यह भारत का और बिहार का भी इतिहास रहा है। केंद्र में 415 के बहुमत के साथ राजीव गांधी की सरकार बनी थी लेकिन उसके बाद खुद राजीव गांधी का और कांग्रेस का क्या हुआ यह सबको पता है। उसी तरह बिहार में 2010 के विधानसभा चुनाव में एनडीए को 206 सीटों का बहुमत मिला था। जनता दल यू को 115 और भाजपा को 91 सीटें मिली थीं।

लेकिन तीन साल के बाद ही हालात बदल गए थे। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा चुनाव की कमान सौंपे जाने के विरोध में नीतीश कुमार ने भाजपा से नाता तोड़ लिया था और दो साल तक अकेले सरकार चलाई थी।

उसके बाद उन्होंने राजद के साथ तालमेल करके 2015 का विधानसभा चुनाव लड़ा, जिसमें चार पार्टियों से तालमेल के बावजूद भाजपा 91 से घट कर 53 पर आ गई।

2010 में भी ऐसी कोई संभावना नहीं दिख रही थी कि नीतीश भाजपा को छोड़ेंगे और अब भी कोई आशंका नहीं दिख रही है कि दोनों पार्टियों के बीच कोई ऐसा घटनाक्रम दोहराया जा सकता है। लेकिन भविष्य किसने देखा है और राजनीति तो वैसे भी हमेशा संभावनाओं से भरी होती है।

ममता बनर्जी का एसआईआर विरोध राजनीति, वोट बैंक और केंद्र-राज्य टकराव का व्यापक विश्लेषण

कांतिलाल मांडोत

भारतीय राजनीति में चुनाव सुधार, मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शी प्रक्रिया हमेशा से चर्चा का विषय रहे हैं। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कई विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, जिनमें सबसे मुखर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रही हैं। उन्होंने न केवल एसआईआर को भेदभावपूर्ण और निष्पक्ष न होने वाला तंत्र" बताया, बल्कि यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी ही चुनाव आयोग बन गई है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी। मुझे चुनौती दी तो नींव हिला दूंगी। एसआईआर पर यह राजनीतिक घमासान केवल सुधार या व्यवस्था तक सीमित नहीं है।

इसके पीछे वोट बैंक, ध्रुवीकरण, संघ-राज्य संबंध और आने वाले चुनावों की रणनीति छिपी है। इसी के समानांतर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल भी रैलियों के जरिए केंद्र सरकार का विरोध कर रहे हैं। ममता बनर्जी एसआईआर का विरोध क्यों कर रही हैं? और विपक्ष की राजनीति का मकसद क्या है?

बीजेपी और विपक्ष के बीच बढ़ती खींचतान का प्रभाव क्या पड़ेगा? एसआईआर क्या है? और विवाद कहां से शुरू होता है?एसआईआर एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें फर्जी वोटरों की पहचान डुप्लीकेट वोटरों को हटानामृत या स्थानांतरित मतदाताओं का रिकॉर्ड अपडेट करनाऔरसीमा क्षेत्रों में सत्यापन जैसे कार्य शामिल हैं। सरकार का दावा है कि इससे मतदाता सूची का शुद्धिकरण होगा, मतदान अधिक पारदर्शी होगा, और चुनावी धोखाधड़ी कम होगी।

लेकिन विपक्ष का आरोप है कि यह सिर्फ विपक्षी राज्यों को निशाना बनाने का तरीका है। इससे गरीब, प्रवासी, अल्पसंख्यक और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वालों के नाम बड़ी संख्या में हटाए जा सकते हैं। और बीजेपी इसे राजनीतिक लाभ के लिए इश्तेमाल कर सकती है। इसी बिंदु पर राजनीति सबसे ज्यादा गर्म हो गई है। ममता बनर्जी का विरोध राजनीतिक और सामाजिक पहलू है। ममता का आरोप है कि बीजेपी चुनाव आयोग बन गई है।

ममता बनर्जी का मानना है किएसआईआर प्रक्रिया केंद्र के दबाव में संचालित होगी। चुनाव आयोग स्वतंत्र रूप से निर्णय नहीं ले पाएगा। और बीजेपी अपनी रणनीति के अनुसार मतदाता सूची को प्रभावित कर सकती है। उनका यह बयान कि बीजेपी चुनाव आयोग बन गई है। सीधा आरोप है कि चुनाव सुधारों की आड़ में बीजेपी अपने राजनीतिक फायदे के लिए व्यवस्था को मोड़ रही है।

लेकिन यह उनकी सोच है। ममता बंग्लादेशी मुद्दा और वोट बैंक राजनीति कर रही है। बंगाल की राजनीति में "घुसपैठ" और "बांग्लादेशी वोटरों" का मुद्दा हमेशा संवेदनशील रहा है। बीजेपी इसे "राष्ट्रीय सुरक्षा" और "घुसपैठ रोकने" का विषय मानती है, जबकि ममता बनर्जी इसेविपक्ष द्वारा फैलाया गया "प्रोपेगेंडा" मानती है। और अल्पसंख्यक व सीमावर्ती समुदायों को डराने की रणनीति बताती हैं।

बीजेपी बार–बार ममता पर बांग्लादेशियों को संरक्षण देने का आरोप लगाती है। इसलिए एसआईआर जैसी प्रक्रिया सीधे ममता के पारंपरिक वोट बैंक को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि वह इसे राजनीतिक हमले के तौर पर देखती हैं।

ममता का बयान "मुझे चुनौती दी तो नींव हिला दूंगी"यह बयान बताता है कि ममता एसआईआर के खिलाफ बड़ा आंदोलन खड़ा करने की तैयारी में हैं। उनकी राजनीतिक शैली सदैव आक्रामक और जन-आधारित रही है। वे यह संदेश देना चाहती हैं कि केंद्र सरकारी प्रक्रियाएँ राज्य पर थोपे या तुष्टीकरण के नाम पर उन्हें निशाना बनाएतो वे पीछे हटने वाली नहीं हैं। कांग्रेस का साथ और विपक्ष का व्यापक विरोध कांग्रेस ने भी एसआईआर प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका विरोध तीन प्रमुख कारणों से है। राजनीतिक धरातल पर गठबंधन की मजबूरीहै औरविपक्ष चाहता है किसभी विरोधी दल एक मंच पर आएं।

बीजेपी की अधिनायकवादी राजनीति को चुनौती दी जाएऔर एसआईआर जैसे मुद्दों को लोकतांत्रिक अधिकारों से जोड़कर जनता में संदेश दिया जाए। और निकाली जाने वाली रैलियाँ इसी रणनीति का हिस्सा हैं। राज्यों में चुनावी समीकरण का असरआने वाले चुनावों में पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम, और कुछ केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर का सीधा असर पड़ सकता है।

विपक्ष को डर है कि अगर मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर नाम काटे गए, तो उसका नुकसान गैर-बीजेपी दलों को ही ज्यादा होगा। विपक्ष के लिए यह 'राजनीतिक नैरेटिव' का हथियार मुद्दा सिर्फ एसआईआर का नहीं है। विपक्ष इसे ऐसे प्रश्तुत कर रहा है कि यह जनता के अधिकारों पर हमला है। यह लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है। और केंद्र सरकार राज्यों की स्वायत्तता खत्म करना चाहती है। इससे विपक्ष को राजनीतिक जमीन मिलती है।

केंद्र बनाम राज्यः टकराव और सत्ता संतुलन एसआईआर विवाद को केवल चुनावी प्रक्रिया के संदर्भ में देखने से इसकी गहराई समझ में नहीं आती। असल टकराव है केन्द्र की शक्तियों बनाम राज्यों की स्वायत्तताऔर ममता बनर्जी को लगता है किकेंद्र अपने निर्णय राज्यों पर थोप रहा है। और यह संघीय ढांचे की मूल भावना के खिलाफ है।

राजनीतिक ध्रुवीकरण का बढ़ना और यह मुद्दा आने वाले महीनों में हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण राष्ट्रीय सुरक्षा बनाम अल्पसंख्यक अधिकार जैसे मुद्दे पर हावी होगा। केंद्र बनाम राज्य जैसे विभाजक विमर्शों को और तीखा करेगा। एसआईआर का प्रशासनिक बोझ बढ़ रहा है। ममता का कहना है कि राज्य में पहले से ही कई परियोजनाएँ चल रही हैं, और एसआईआर का अचानक दबाव वाश्तविक कार्य को प्रभावित करेगा। वे तैयार हैं कि 2–3 वर्षों में यह प्रक्रिया धीरे-धीरे लागू हो, लेकिन तत्काल आदेश का विरोध कर रही है भाजपा इसको ज़रूरी मानती है। बीजेपी और केंद्र सरकार एसआईआर को चुनाव शुद्धिकरण की सबसे बड़ी पहल बता रहे हैं। उनके अनुसार फर्जी वोटर हटेंगे। खासकर सीमावर्ती राज्यों मेंऔर राजनीतिक लाभ के लिए "घुसपैठ" का उपयोग करने वाली पार्टियों पर रोक लगेगी। पारदर्शिता बढ़ेगी।

मतदाता सूची की विश्वसनीयता बढ़ेगी। और चुनावी प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष बनेगी। विपक्ष इसलिए विरोध कर रहा क्योंकि उनका वोट बैंक प्रभावित होगा। बीजेपी का तर्क है कि जो पार्टियाँ फर्जी वोटरों पर निर्भर हैं, वही इसका विरोध कर रही हैं।

क्या एसआईआर वाश्तव में निष्पक्ष है या राजनीतिक उपकरण? यह बहुत बड़ा और जटिल सवाल है। तकनीकी पहलू अगर एसआईआर पारदर्शी, निष्पक्ष और मानक प्रक्रिया के साथ लागू होता इससे चुनावी सुधार मजबूत होंगे। फर्जी वोटरों को हटाना किसी भी लोकतंत्र की मजबूरी है।

लेकिन भारत जैसे विविध और राजनीतिक रूप से संवेदनशील देश मेंकिसी भी प्रक्रिया का असरवोट बैंक चुनाव और ध्रुवीकरणपर सीधे पड़ता है। इसलिए एसआईआर को पूरी तरह निष्पक्ष या राजनीतिक कहना मुश्किल है। सच्चाई बीच में है कि सिस्टम आवश्यक है, लेकिन पारदर्शिता और राज्यों की सहमति के बिना इसे लागू करना विवाद पैदा करेगा।

आगे की राजनीति का क्या होगा असर?बंगाल में राजनीति और गरमाएगी। ममता बनर्जी इस मुद्दे को बंगाल की स्वायत्तता अल्पसंख्यकों के अधिकार और केंद्र के दमनके रूप में पेश करेंगी। बीजेपी इसे घुसपैठ रोकने और फर्जी वोटरों की सफाई के रूप में प्रचारित करेगी। राष्ट्रीय श्तर पर विपक्ष को मुद्दा मिल गया है। सीडब्लूसी और आईएनडीआईए गठबंधन के लिए यह मुद्दा अनुपयोगी ही होगा।

केंद्र सरकार पर हमला करने, जनता को मोबिलाईज करने और चुनावी माहौल तैयार करने का हथियार है। चुनाव आयोग की साख पर सवाल खड़ा करना गलत है। सबसे नुकसान चुनाव आयोग को हो रहा है। सत्ता–विपक्ष की खींचतान में आयोग की निष्पक्षता सवालों के घेरे में आ रही है।

कानूनी लड़ाइयाँ बढ़ सकती हैंऔरराज्य सरकारें सुप्रीम कोर्ट जा सकती हैं। यह मामला संवैधानिक संघर्ष का रूप ले सकता है। एसआईआर का विवाद राजनीति से ज्यादा सत्ता संघर्ष है। एसआईआर को लेकर ममता बनर्जी और केंद्र के बीच संघर्ष सिर्फ प्रक्रिया का विवाद नहीं है।

यह चार श्तरों पर लड़ाई है। वोट बैंक का संघर्ष, केंद्र-राज्य शक्तियों की खींचतान चुनावी ध्रुवीकरण और राजनीतिक धुवीकरण का एकजुट होकर केंद्र के खिलाफ नैरेटिव तैयार करनाआदि। ममता बनर्जी का एसआईआर विरोध उनके पारंपरिक वोट बैंक की सुरक्षा, बंगाल की राजनीतिक स्वायत्तताऔर केंद्र की नीतियों के खिलाफ उनकी संघर्षता को लड़ाईका हिस्सा है।

वहीं कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल लोकतांत्रिक अधिकारों और चुनावी पारदर्शिताके नाम पर केंद्र सरकार पर हमला तेज कर रहे हैं। आने वाले समय में एसआईआर सिर्फ चुनावी प्रक्रिया का मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति का सबसे बड़ा विमर्श बन सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, साहितकार एवं स्तम्भकार है)

अर्थव्यवस्था में डिजिटल छलांग के भरोसे उद्यमों का विकास संभव नहीं

आर. सूर्यमूर्ति

एनएसओ को अपने सैंपलिंग फ्रेमवर्क को फिर से डिज़ाइन करना, तिमाही अनुमानों की ओर बढ़ना, और हाई-फ्रीक्वेंसी मेजरमेंट पर ज़ोर देना, सभी स्वागतयोग्य हैं। लेकिन आंकड़ों से आखिर में यह पता चलता है कि यह सेक्टर बहुत ज़्यादा फैला हुआ है, तेज़ी से बदल रहा है, अपने आप डिजिटाइज़ हो रहा है-फिर भी यह ऐसे माहौल का इंतज़ार कर रहा है जो इसे सिफ़र् एक सेफ़्टीनेट से ज़्यादा बनने दे।

भारत के अनौपचारिक क्षेत्र (अनइनकॉरपोरेटेड नॉन-एग्रीकल्चरल सेक्टर) के गत तिमाही के बुलेटिन, पहली नज़र में, वैश्विक झटकों से जूझ रही अर्थव्यवस्था के लिए एक मामूली जीत की तरह लगते हैंः डिजिटल संरचना अपनाने की रफ़्तार तेज़ी से बढ़ रही है, उद्यम थोड़े आगे बढ़े हैं, और रोजग़ार स्थिर बना हुआ है। लगभग 39प्रतिशत उद्यम अब किसी न किसी रूप में इंटरनेट का इश्तेमाल करते हैं। यह एक ऐसे सेक्टर के लिए एक चौंकाने वाला बदलाव है जो लंबे समय से खाता-बही और नकद लेन-देन पर टिका हुआ है। उद्यमों की संख्या बढ़कर 7.97 करोड़ हो गयी, रोजग़ार12.86 करोड़ पर बना रहा, और शहरी श्रमिकों को काम पर लेने में मज़बूती आयी।

लेकिन यह विश्तार की नहीं, बल्कि दबाव में ढलने की कहानी है, एक ऐसी अर्थव्यवस्था जो ज़रूरत की वजह से डिजिटाइज़ हो रही है, न कि बड़े सपने की वजह से, और एक अनौपचारिक क्षेत्र जो उस बोझ को बनाए रखने के लिए ज़रूरी उत्पादकता, तेज़ी या ढांचागत समर्थन हासिल किए बिना भारत के श्रम बाजार का बोझ उठा रहा है।

एक सेक्टर जो उद्यम नहीं जोड़ रहा है, बल्कि तेज़ी से ऑनलाइन हो रहा है, वह बाहरी दबावों का जवाब दे रहा हैः कस्टमर डिजिटल पेमेंट की मांग कर रहे हैं, बाजार ऑनलाइन हो रहे हैं, जीएसटी से जुड़े कम्प्लायंस में सख्ती हो रही है, और आपूर्ति श्रृंखला का तेज़ी से पता लगाने की क्षमता और ऑनलाइन इनवॉइसिंग की ज़रूरत पड़ रही है। यह कोई डिजिटल क्रांति नहीं है; यह ज़िंदा रहने का काम है।

उद्यमों में मामूली बढ़ोतरी-लगभग 8 करोड़ में लगभग 3 लाख-नई उद्यमिता ऊर्जा का संकेत देने के लिए बहुत कम है। जब भारत 2000 के दशक में सबसे तेज़ी से बढ़ रहा था, तो उद्यम वृद्धि एक मुख्य वजह थीः छोटे मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर बढ़े, रिटेल इकाइयां बढ़ीं, और ग्रामीण और शहरी दोनों जगहों पर सर्विस व्यापार तेज़ी से बढ़े।

आज का उद्यम आंकड़ा एक ऐसे क्षेत्र की ओर इशारा करता है जो बढ़ नहीं रहा है, बल्कि बना हुआ है। विश्तार के बजाय, डेटा जो दिखाता है वह निरंतरता है-एक होल्डिंग पैटर्न। गंभीर बात रोजग़ार का कम्पोज़िशन है। काम पर रखे गए कामगार का हिस्सा 24.38 प्रतिशत से बढ़कर 25.91 प्रतिशत हो गया है। यह छोटे लेवल पर एक सकारात्मक संकेत है -इसका मतलब है कि उद्यमों में इतना हौसला है कि वे वेतन का खर्च उठा सकें। लेकिन समष्टिश्तर पर तस्वीर उतनी अच्छी नहीं है। इस क्षेत्र में अभी भी लगभग 60प्रतिशत कामगार तो मालिक हैं, जो याद दिलाता है कि भारत का रोजगार आधार अभी भी ज़्यादातर स्वरोजगार, कम उत्पादकता वाला और झटकों के प्रति कमज़ोर है। स्व-शोषण पर हावी श्रम बाजार उस तरह का वेतन आधारित विकास नहीं दे सकता, जिसकी कई अर्थशास्त्रियों का कहना है, भारत को अभी तुरंत ज़रूरत है।

अनइनकॉरपोरेटेड सेक्टर श्रमिकों को इसलिए काम पर नहीं लगा पा रहा है वे बढ़ रहे हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि घरों के पास रोजगार के बेहतर अवसर नहीं हैं। यह 'रोजगार में लोच का फंदा हैः जब औपचारिक क्षेत्र में रोजगार वृद्धि की दर गिरती है, तो अनौपचारिक क्षेत्र अपने आप बढ़ जाता है -ताकत से नहीं, बल्कि अवसरों की कमी से।

यह उछाल एक जाने-पहचाने सीजऩल पैटर्न में फिट बैठता हैः मज़दूर खरीफ़ के मौसम के बाद खेती से लौटते हैं और छोटी वर्कशॉप, फैब्रिकेशन यूनिट, रिपेयर शॉप और घर से चलने वाले मैन्युफैक्चरिंग में फिर से लग जाते हैं। यह लेबर रोटेशन है, लेबर अपग्रेडिंग नहीं। सालों से, नीति बनाने वालों ने इन तिमाही उतार-चढ़ाव को लगातार मैन्युफैक्चरिंग में सुधार के संकेत के तौर पर गलत समझा है।

शहरी-ग्रामीण तुलना अधिक वीभत्स है। शहरी कामगारों की संख्या 6.61 करोड़ से बढ़कर 6.91 करोड़ हो गई, जो एक ही तिमाही में एक बड़ी बढ़ोतरी है। ग्रामीण रोजग़ार में मुश्किल से ही कोई बदलाव आया। यह बड़े मैक्रो संकेतक के मुताबिक हैः उपभोग अभी भी शहरी उच्च-मध्य वर्ग के परिवारों से चलता है, ग्रामीण मांग अभी भी कमज़ोर है, और ज़रूरी चीज़ों- खासकर खाने की चीज़ों- में महंगाई ने समय-समय पर ग्रामीण वाश्तविक आय को कम किया है।

इसलिए, अनइनकॉरपोरेटेड सेक्टर का शहरी झुकाव भारत की रिकवरी को आकार देने वाले गहरे अंतर को दिखाता है।

महिलाओं के रोजग़ार की बढ़ी मज़बूती -कार्यबल का लगभग 29प्रतिशत-कुछ ढांचागत रूप से अच्छे संकेतों में से एक है। अनइनकॉरपोरेटेड सेक्टर में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी घर से काम, माइक्रो-सर्विसेज़ और डिजिटल-इनेबल्ड स्वरोजगार की ओर बदलाव का संकेत देती है परन्तु इसकी भी सीमाएं हैं। अनौपचारिक, कम पूंजी वाले उद्यमों में केंद्रित महिलाएं मैक्रोइकॉनॉमिक उत्पादकता पर कोई खास असर नहीं डाल सकतीं। विकास पथ, कर्ज तक पहुंच, या औपचारिक आपूर्ति श्रृंखला से लिंक के बिना, महिलाओं के श्रम का लाभ कम विकास दर लूप में फंसा रहता है।

भारत के विकास की कहानी तेज़ी से एक उलझन पर निर्भर होती जा हैः वह यह कि अनौपचारिक क्षेत्र को औपचारिकीकरण बढ़ने पर भी कामगारों को काम पर लेते रहना चाहिए; उद्यमों को आगे बढ़ाने का फ़ायदा उठाए बिना डिजिटाइज़ करना होगा; उत्पादकता न बढ़ने पर भी रोजग़ार बढ़ना चाहिए; और यह भी कि अर्थव्यवस्था को तब भी बढ़ना चाहिए जब उसका सबसे बड़ा जॉब-क्रिएटिंग सेगमेंट कम मार्जिन और कम बफऱ पर काम कर रहा हो।

एनएसओ को अपने सैंपलिंग फ्रेमवर्क को फिर से डिज़ाइन करना, तिमाही अनुमानों की ओर बढ़ना, और हाई-फ्रीक्वेंसी मेजरमेंट पर ज़ोर देना, सभी स्वागतयोग्य हैं। लेकिन आंकड़ों से आखिर में यह पता चलता है कि यह सेक्टर बहुत ज़्यादा फैला हुआ है, तेज़ी से बदल रहा है, अपने आप डिजिटाइज़ हो रहा है -फिर भी यह ऐसे माहौल का इंतज़ार कर रहा है जो इसे सिफ़र् एक सेफ़्टीनेट से ज़्यादा बनने दे। यह एक कड़वी सच्चाई हैः भारत की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था वह सब कुछ कर रही है जो वह कर सकती है, लेकिन यह अकेले देश के विकास को बोझ ज़्यादा समय तक नहीं उठा सकती।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

यातायात व सफ़ाई में बाधक अतिक्रमण को महाबली ने किया ध्वस्त

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के निर्देश पर शहर को जाम मुक्त बनाने की दिशा मे नगर निगम द्वारा शुक्रवार को आगरा रोड को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए अभियान चलाया गया।

सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह की अगुवाई में मदार गेट पुलिस चौकी आगरा रोड से खिरनी गेट पुलिस चौकी आगरा रोड तक अतिक्रमण हटाओ अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया गया। अभियान के दौरान सड़क एवं नाली पर किए गए अतिक्रमणों को चिन्हित करते हुए जेसीबी मशीन द्वारा तत्काल प्रभाव से ध्वश्त कराया गया तथा सार्वजनिक मार्गों पर फैले अवैध अतिक्रमण सामान को मौके पर ही जब्त किया गया।

नगर निगम टीम के साथ निर्माण विभाग से क्षेत्रीय सुपरवाइज़र हाकिम सिंह, राजस्व निरीक्षक दिनेश सिंह तथा स्थानीय पुलिस बल मौजूद रहा, जिसने अभियान को सुचारू एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नगर आयुक्त ने कहा शासन के निर्देशों के क्रम में अलीगढ़ नगर निगम द्वारा जिन स्थानों से अतिक्रमण को हटवाया जा रहा है उसकी नियमानुसार सूची बनाकर पत्र सहित संबंधित थाने को उपलब्ध कराई जा रही है ताकि दोबारा अतिक्रमण की स्थिति उत्पन्न ना हो।

नगर आयुक्त ने कहा जो लोग सड़क या सड़क किनारे फुटपाथ की पटरी पर अतिक्रमण किया है वो तुरंत हटा ले अन्यथा की स्थिति मे नगर निगम द्वारा उनका सामान जब्त कर एवं भारी जुर्माना वसूला जायेगा।

नशा मुक्त समाज के निर्माण का लिया संकल्प

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

उत्तर प्रदेश सरकार के नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत आज डी० ए० वी० इंटर कॉलेज, अलीगढ़ में विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान छात्रों से अनुरोध किया शराब, गांजा, अफीम, चरस, कफ सिरप, डाइल्यूटर, कुट्टू टिंचर आदि जैसे मादक पदार्थों का सेवन समाज को अंदर से खोखला कर रहा है, अतः इनका त्याग करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। नशे की लत व्यक्ति को अपराध, पारिवारिक कलह, आर्थिक हानि तथा स्वास्थ्य समस्याओं की ओर धकेल देती है। नशे के आदी व्यक्तियों का समाज में सम्मान भी प्रभावित होता है, इसलिए नशे से दूर रहना आवश्यक है। इस अवसर पर आबकारी निरीक्षक अभिषेक कुमार वत्स, मनोज कुमार, सुनील वर्मा, विवेक सिंह चौहान एवं सविता रानी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित हुआ और विद्यार्थियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु संकल्प लिया।

इग्नू की परीक्षाएं 01 दिसंबर से प्रारंभ

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की दिसंबर सत्र 2025 की परीक्षाएं 01 दिसंबर 2025 से प्रारंभ हो रही हैं। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र अलीगढ़ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 अजय वर्धन आचार्य ने बताया है कि इग्नू क्षेत्रीय केंद्र अलीगढ़ में आठ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र अलीगढ़ में दो जेल अध्ययन केंद्र भी परीक्षा केंद्र बनाए हैं जिसमें जिला सुधारगृह अलीगढ़ एवं फिरोजाबाद में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

इग्नू क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 अजय वर्धन आचार्य ने बताया है कि पूरे भारत वर्ष में इग्नू ने 919 परीक्षा केंद्र बनाए हैं। जिसमें 8 लाख विद्यार्थी दिसंबर सत्र 2025 की परीक्षाएं देंगे। यह परीक्षाएं 14 जनवरी 2026 तक चलेगी। इग्नू की परीक्षाएं दो पालियों में प्रातः 10 से अपरान्ह 1 बजे तक और अपरान्ह 2 से 5 बजे तक संचालित होंगी। सभी विद्यार्थियों से निवेदन है की परीक्षा केंद्र पर मोबाइल न लाएं, मोबाइल पूर्णतः वर्जित है। परीक्षार्थी प्रवेश पत्र एवं इग्नू द्वारा दिया गया पहचान पत्र परीक्षा के समय अवश्य लेकर उपस्थित हों।

लोगों को ठगने वाला नकली पुलिसकर्मी पकड़ा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना लोधा पुलिस टीम द्वारा नकली पुलिसकर्मी बनकर लोगों के साथ ठगी करने वाले शातिर नटवर लाल को गिरफ्तारी किया गया है।

थाना लोधा पर सूचना प्राप्त हुई कि कुछ लोग नकली पुलिस वाले बनकर धोखाधडी करके कूटरचित दश्तावेज दिखाकर एवं लोगों को उनके मुकदमे में मदद करने के नाम पर अवैध तरीके से धन उगाही करते हैं, इस सम्बन्ध में थाना लोधा पर मुकद्दमा पंजीकृत किया गया था।

थाना लोधा पुलिस टीम द्वारा वांछित चल रहे अनिल यादव पुत्र बल्लू यादव निवासी शिवराजपुर थाना मोहनगढ जनपद टीकमगढ़ मध्यप्रदेश को थाना क्षेत्र लोधा से गिरफ्तार किया गया है।

पुलिसकर्मियों पर शारीरिक रुप से फिट रहने हेतु लगवाई दौड़

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

एसपी सिटी द्वारा नवीन रिजर्व पुलिस लाईन छेरत में शुक्रवार परेड का निरीक्षण कर पुलिस कर्मियों को बेहतर टर्नआउट एवं अनुशासन में रहने हेतु निर्देशित किया। एसपी ने पीआरवी वाहनों व दंगा नियत्रंण उपकरणों का निरीक्षण कर उनके उचित रखरखाव व सदैव क्रियाशील दशा में रखने के निर्देश दिये। एसपी सिटी द्वारा नवीन रिजर्व पुलिस लाइन छेरत परेड ग्राउंड में शुक्रवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के पश्चात कर्मियों को शारीरिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ लगवाई गई व परेड के दौरान अनुशासन व एकरुपता के लिए टोलीवार ड्रिल कराई गई। परेड में सम्मिलित पुलिस कर्मियों के टर्नआउट को चेक किया गया। परेड में उपस्थित समश्त सरकारी वाहनों में दंगा नियंत्रण उपकरणों को चेक किया गया तथा उसके इश्तेमाल/रखरखाव हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया।

फॉर्म जमा नहीं किया तो कट जाएगा लिस्ट से नाम छह दिन बचे हैं शेष; 70 हजार वोटर्स पर संकट

आगरा , एजेंसी। हजारों मतदाताओं के मताधिकार पर संकट है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। पहले गणना फॉर्म वितरण में खेल हुआ, 70 हजार से अधिक मतदाताओं को गणना प्रपत्र (फॉर्म) मिले ही नहीं। अब बीएलओ उसे जमा करने में भी फेल हो रहे हैं।

सभी मतदाताओं को 4 दिसंबर तक गणना प्रपत्र भरकर जमा कराने हैं। अब केवल छह दिन बचे हैं। नौ विधानसभा क्षेत्रों में 36 लाख से अधिक मतदाताओं का एसआईआर होना है। इसके लिए 3696 बीएलओ को घर-घर पहुंचना था। लेकिन बीएलओ हर मतदाता तक नहीं पहुंच पाए। उनके फॉर्म भी नहीं बंट सके। इधर, अब फॉर्म जमा कराने पर जोर है।

बृहस्पतिवार तक जिले से करीब 13 लाख मतदाताओं के गणना फॉर्म जमा होने का दावा प्रशासन ने किया है। शहरी विधानसभा क्षेत्र दक्षिण, उत्तर, छावनी और एत्मादपुर आंशिक में फॉर्म संकलन की स्थिति बेहद खराब है। धीमी प्रगति और समय की कमी से जिला निर्वाचन अधिकारी भी चिंतित हैं। ऐसे में उन्हें खुद धरातल पर उतरना पड़ा। घर-घर जाकर खुद मतदाताओं से फॉर्म जमा कराने की अपील कर रहे हैं।

कमजोर बीएलओ के साथ लगाए दो और लोग–जिन बीएलओ की प्रगति खराब है, कमजोर साबित हो रहे हैं। उनके सहयोग के लिए प्रशासन ने दो-दो अतिरिक्त कर्मचारी लगाए हैं। कमजोर बीएलओ चिह्नित किए हैं। 500 से अधिक बीएलओ की प्रगति खराब है। जिनके साथ करीब एक हजार से अधिक लोगों को सहयोग के लिए लगाया जा रहा है।

फॉर्म जमा नहीं तो कट जाएगा नाम–जिन मतदाताओं ने एसआईआर गणना फॉर्म भरकर जमा नहीं किया तो उनका नाम 9 दिसंबर को प्रकाशित होने वाली ड्राफ्ट मतदाता सूची से कट जाएगा। ऐसे मतदाताओं को नोटिस जारी किए

जाएंगे। उन्हें अपने दस्तावेज व अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। जिसके बाद ही उनका नाम दुबारा सूची में जुड़ सकेगा।

अंतिम तिथि का नहीं करें इंतजार–एसआईआर गणना फॉर्म जमा कराने के लिए हेल्प डेस्क बनाई हैं। बूथ स्तर पर कैंप लगाए जा रहे हैं। मतदाता अंतिम तिथि यानी 4 दिसंबर का इंतजार नहीं करें। फॉर्म नहीं मिला है तो आयोग की वेबसाइट से फॉर्म डाउनलोड कर भर सकते हैं। सभी बीएलओ की नियमित समीक्षा की जा रही है। - अरविंद बंगारी, जिला निर्वाचन अधिकारी

500 से अधिक लोगों का सूची से नाम गायब–बोदला सराय में रहने वाले 500 से अधिक लोगों का 2003 की मतदाता सूची से नाम गायब है। क्षेत्रीय लोगों ने डीएम को शिकायत दर्ज कराई है। जिसमें कहा है कि 2003 में उन्होंने भाग संख्या 99 से 118 तक में वोट डाले थे। अब एसआईआर गणना फॉर्म भरते समय उनके नाम 2003 की सूची से गायब हैं। नगला मेवाती, ताजगंज निवासी कश्मीरन ने कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई है कि 2003 की सूची से उनका और पति का नाम कट गया है। फैज-ए-आम इंटर कॉलेज में वह शुरू से वोट डालते चले आ रहे हैं। उनका परिवार 50 वर्षों से यहीं निवास करता आ रहा है।

बीएलओ नहीं बांट रहे गणना फॉर्म– नाई की मंडी निवासी रशीद खान ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसका नाम दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की भाग संख्या 92 के क्रमांक 677 पर अंकित है। लेकिन, बीएलओ अनुभिनंद कुलश्रेष्ठ ने उन्हें बार-बार कहने पर भी फॉर्म उपलब्ध नहीं कराया। डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सेंटर पर भी शिकायत दर्ज कराई। उन्हें अभी तक गणना फॉर्म नहीं मिला। फॉर्म नहीं भरने पर उनका नाम सूची से कट जाएगा।

मतदाता प्रपत्र को चूहे ने खाया, बीएलओ ने शिकायत की

छिबरामऊ , एजेंसी। नगर पालिका परिषद सभागार में गुरुवार देर शाम सभी वार्डों के बीएलओ ने अपनी-अपनी समस्याएं एसडीएम को बताईं। उन्होंने एसआईआर कार्य को लेकर बीएलओ से जानकारी ली तथा समस्याओं को सुना। इस दौरान मतदाता प्रपत्र चूहे द्वारा खाने की बीएलओ ने शिकायत की। एक बीएलओ ने बताया कि साहब, प्रपत्र जमा करने के लिए मतदाता के घर गए, तो वह बोले कि प्रपत्र चूहे खा गए हैं। एक मतदाता का नाम दो जगह मिला पर नाम काटने के लिए लिखकर देने से मना कर दिया। इसी तरह कई बूथों पर 200 से लेकर 300 मतदाता हैं, परंतु घरों में नहीं मिल रहे हैं। एसडीएम ज्ञानेंद्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि नगर पालिका में हेल्प डेस्क बनाया गया है। सभी मतदाता, जो प्रपत्र जमा नहीं कर पाए हैं, वह नगर पालिका में जमा कर सकते हैं। बीएलओ तथा सुपरवाइजर उन प्रपत्रों को पालिका से एकत्र कर लेंगे। बीएलओ के सहयोग के लिए नगर पालिका के कर्मचारियों को भी लगाया गया है।वह गांव, गली तथा मोहल्लों की पूरी जानकारी रखते हैं। नगर में अभी तक 50 प्रतिशत ही कार्य हुआ है। उन्होंने सभी बीएलओ से कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। अधिशासी अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि नगर पालिका से जो भी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं, उनकी सूची बनवाई जा रही है, जो बीएलओ को दे दी जाएगी। बैठक में तहसीलदार अवनीश कुमार सिंह, बीडीओ दीपांकर आर्य, खंड शिक्षा अधिकारी आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

बीमार महिला की जगह आलोक मिश्रा को चार्ज–छिबरामऊ। प्रेमपुर की बीएलओ आशा कार्यकर्ता राजेंद्री देवी को विशेष प्रगाढ़ मतदाता पुनरीक्षण में निर्वाचन कार्य करते हुए मंगलवार की शाम को तबीयत बिगड़ गई थी। उनका उपचार तिर्वा मेडिकल कालेज में चल रहा है। एसडीएम ज्ञानेंद्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि बीएलओ की तबीयत खराब होने के कारण उनके स्थान पर आलोक मिश्रा को बीएलओ बनाया गया है।

दक्ष अस्पताल पर भरवाए एसआईआर फार्म

एनसीआर टुडे. नहटौर। दक्ष हॉस्पिटल पर मोहल्ला होली के सभी वोटर्स के एस आई आर फार्म भरवाये गए जिसमें बीएलओ आरती वर्मा ने एस आई आर फॉर्म भरे। डॉ. ए के दक्ष ने सभी वोटर्स को बुलाकर और बीएलओ का भी पूर्ण सहयोग किया। डॉ ए के दक्ष व डॉ मनिषा दक्ष ने भी अपने एस आई आर फॉर्म बीएलओ को जमा किए और अन्य वोटर्स का भी सहयोग किया। बीएलओ और वोटर्स का सहयोग करने वालों में सोनिया शर्मा, आलिया खुर्शीद, अनिल कुमार बीपीओ ऑपरेटर, कन्हैया सिंह, अभिषेक, प्रशांत, अनमोल वर्मा,अनिल कुमार, अनुराधा, शिवानी, अलका आदि।

नकली सोने का हार बेचने वाले दो दबोचे

एनसीआर टुडे. अलीगढ़। थाना टप्पल पुलिस टीम द्वारा सोने का हार बताकर नकली हार बेचकर धोखाधडी करके रुपये ठगने के मामले में वांछित दो आरोपियों को मय 50 हजार रुपयें व अवैध चाकू सहित गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस टीम ने सोने का हार बताकर नकली हार बेचकर धोखाधडी करके रुपए ठगी करने वाले वांछित आरोपी किरन पुत्र बाबूजी निवासी भीमपुर थाना रामसीन जनपद जारौल राजस्थान,बबलू पुत्र दनजी निवासी मारवाडी थाना सरदारनगर जनपद अहमदाबाद गुजरात को धोखाधडी करके प्राप्त किये 50 हजार व एक-एक अवैध चाकू के साथ थाना क्षेत्र टप्पल से गिरफ्तार किया गया है।

महारैली को सफल बनाने मे डॉ. मक़सूद का काफिले ने मचाई धूम

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

आज़ाद समाज पार्टी (काशीराम) की संविधान दिवस के अवसर पर संवैधानिक अधिकार बचाओ, भाईचारा बनाओ की ऐतिहासिक महारैली में डॉ मक़सूद चौधरी आज़ाद समाज पार्टी संस्थापक सदस्य का दर्जनों छोटी बड़ी गाड़ियों का काफिला हुआ मुज़फ़्फ़रनगर रवाना।

मुज़फ़्फ़रनगर के जी.आई.सी मैदान में आयोजित ऐतिहासिक महारैली को सफल बनाने के लिए जलालाबाद के पट्रोल पंप से आज़ाद समाज पार्टी के संस्थापक सदस्य डॉक्टर मक़सूद चौधरी ने दिन रात मेहनत करके अपने क्षेत्र से हजारों की संख्या में पार्टी कार्यकर्त्ता व पदाधिकारी सहित हजारों समर्थक के दर्ज़नो छोटे बड़े वाहनों के साथ रवाना हुऐ।

गाड़ियों के काफिले को असपा के संस्थापक सदस्य डॉक्टर मकसूद चौधरी, भीमसेन हल्दिया प्रदेश कोर कमेटी सदस्य, भीम आर्मी जिलाध्यक्ष प्रशांत महासागर, रजत कुमार जिलाध्यक्ष मुस्लिम भाई चारा, वरिष्ठ नेता नितिश चौधरी, ललित आज़ाद आदि नेताओं ने पिछले विगत कई दिनों से मुजफ्फरनगर की महारैली को सफल करने के लिए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच कर डोर टू डोर जाकर पार्टी के प्रति लोगों जागरूक करने का कार्य किया गया। साथ ही पार्टी का प्रचार प्रसार जोर शोर से किया गया। साथ ही साथ आज हुई ऐतिहासिक महारैली के लिए उनको जागरूक करने में लगे हुए थे। जिसका परिणाम आज भीड़ एकत्रित होने पर देखने को मिला जो हजारों की संख्या में लोग महारैली में पहुंचे उसको सफल बनाने का कार्य किया गया।

रैली को सफल बनाने मे प्रवेश कुमार मंडल संयोजक, वीरेंद्र कुमार विधानसभा प्रभारी, ललित कुमार मंडल संयोजक, राहुल चौधरी, लईक कुरैशी, मनोज चौधरी, विष्णु गौतम, आशीष पाल, देशराज सिंह, रवि प्रकाश, सुशील कुमार, धर्मराज हल्दिया, पंकज कुमार, यशवर्धन अश्वनी कुमार, अनुज कुमार, दानिश कुरैशी, फरमान कुरैशी, इमरान कुरैशी सहित हजारों की संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता का विशेष सहयोग रहा।

मंच पर राधाकृष्ण के प्रेम को किया जीवंत

लखनऊ , एजेंसी। योजना कॉलोनी श्रीरामलीला पार्क सेक्टर-ए सीतापुर मार्ग स्थित बाबा विश्वनाथ मंदिर का 34वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जा रहा है। बृहस्पतिवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा शुरू हुई। कथावाचक आचार्य पं. गोविंद मिश्रा ने गीता का महत्व समझाया। वृंदावन के कलाकारों ने रासलीला की मनमोहक प्रस्तुतियां पेश कीं। मंच पर राधाकृष्ण के प्रेम को जीवंत किया। पंडित गोविंद मिश्रा ने भक्ति, वैराग्य और ज्ञान का महत्व समझाया। गीता में जीवन से जुड़ी हर परेशानी का हल है।

जिला अस्पताल में शुरू हुई फेफड़ों की जांच, मिली पीएफटी मशीन

पीलीभीत , एजेंसी। जिले के मरीजों को अब श्वांस संबंधी बीमारियों की जांच के लिए निजी लैब के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। जिला अस्पताल में फेफड़ों की जांच (लंग फंक्शन टेस्ट) की सुविधा शुरू हो गई है। अस्पताल को नई पीएफटी (पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट) मशीन मिल जाने से अस्थमा, सीओपीडी, एलर्जी व अन्य फेफड़ों की बीमारियों की जांच जिला अस्पताल में ही हो जाएगी। पीएफटी मशीन के शुरू होने से रोजाना मेडिसिन विभाग में कई मरीजों को लाभ मिलेगा।

यह मशीन फेफड़ों की कार्यक्षमता को मापने, सांस लेने की क्षमता, वायु प्रवाह की गति और फेफड़ों में हवा के संचार का परीक्षण करती है। जिला अस्पताल के चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. पीयूष का कहना है कि अस्थमा और सांस संबंधी समस्याओं का सही निदान तभी संभव है जब मरीज का लंग फंक्शन टेस्ट सटीक तरीके से किया जाए।

अब जिला अस्पताल में यह सुविधा उपलब्ध होने से मरीजों का इलाज और भी प्रभावी होगा। पीएफटी मशीन का संचालन प्रशिक्षित तकनीशियन की ओर से किया जाएगा। जांच के दौरान मरीज को एक विशेष पाइप में सांस छोड़नी व भरनी होती है, जिससे मशीन उसके फेफड़ों की क्षमता का डिजिटल डेटा तैयार करती है। इस डेटा का विश्लेषण कर चिकित्सक बीमारी की गंभीरता और उपचार की दिशा तय करते हैं। अस्पताल में विशेष कक्ष बनाकर मशीन को स्थापित किया है।

डर और पीपल का पेड़ मंचन से की व्यवस्था पर चोट

लखनऊ , एजेंसी। राय उमानाथ बली सभागार में बृहस्पतिवार को कथाकार रजत रानी मीनू एवं उर्मिला शिरीष की दो कहानियों पर आधारित नाटक डर और पीपल का पेड़ का मंचन अमुक आर्टिस्ट ग्रुप के कलाकारों ने किया। इसमें सामाजिक विडंबनाओं, विसंगतियों और त्रासदियों के माध्यम से व्यवस्था पर चोट किया। मंचन के बाद मुख्य अतिथि जीपीएस कौशिक ने प्रतिष्ठित रंगकर्मी सोनल ठाकुर को रंगाचार्य डॉ. विश्वनाथ मिश्र स्मृति सम्मान 2025 से नवाजा। बताया गया कि शहीदों की ओर चलो 19 दिसंबर को सुबह 9:50 बजे सुभाष चौक (निकट परिवर्तन चौक) से काकोरी शहीद स्मारक तक यात्रा निकाली जाएगी।

धनुष यज्ञ महोत्सव का आगाज

लखनऊ , एजेंसी। इंदिरानगर के अमराई गांव में बृहस्पतिवार को 110वें धनुष यज्ञ महोत्सव का शुभारंभ हुआ। दोपहर दो बजे भूमि पूजन व हवन हुआ। तीन बजे से श्रीरामचरित मानस पाठ हुआ। 55 मातृशक्तियों ने 110 श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। शाम सात बजे बच्चों ने प्रस्तुतियां दीं। लोकगायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने गायकी से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा रहे। विशिष्ट अतिथि उप्र मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी रहे। धनुष यज्ञ मंडल की ओर से आयोजित किया जा रहा महोत्सव 30 नवंबर तक चलेगा। अध्यक्ष दिलीप कुमार मिश्र और उपाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता व अन्य लोग मौजूद रहे।

जहरीली हुई हवा: फेफड़ों में मिल रहे धूल-धुएं के कण, बढ़ रहा लकवे का खतरा

आगरा, एजेंसी। आगरा में बढ़ते प्रदूषण के कारण स्वस्थ लोगों को भी अब दिक्कत होने लगी है। इनको सीने में जकड़न, नाक में एलर्जी, खराश और बेचैनी की परेशानी मिल रही है। अस्थमा अटैक के अलावा लकवा की भी खतरा बढ़ गया है। एसएन मेडिकल कॉलेज की ओपीडी और इमरजेंसी में मरीज आ रहे हैं। वक्ष एवं क्षय रोग विभाग के डॉ. गजेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि मौसम में सुबह शाम स्मॉग बढ़ रहा है। वाहनों के धुएं में कार्बन मोनोऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड सहित कई हानिकारक तत्वों की मात्रा भी बढ़ गई है। पीएम-2.5 कण ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। ये सांसों की जरिए फेफड़ों और नलिकाओं में पहुंच रहे हैं। इससे तेज खांसी के साथ ही सांस उखड़ रही है। इसके कारण अस्थमा अटैक के 5 मरीज भर्ती भी किए हैं। लंबे समय तक प्रदूषित क्षेत्रों में रहने से स्वस्थ लोगों को नाक की एलर्जी, खराश, बार-बार छींक आना, सिर में दर्द, सीने में जकड़न की परेशानी मिल रही है। ओपीडी में ऐसे 15 फीसदी नए

मरीज रोजाना आ रहे हैं। एसएन के न्यूरोसर्जरी विभाग के डॉ. मयंक अग्रवाल ने बताया कि रक्तचाप और मधुमेह के मरीजों के फेंफड़े पर सांस नलिकाओं में धूल-धुआं पहुंचने से संक्रमण की स्थिति बनती है। इससे मस्तिष्क को जरूरी ऑक्सीजन प्रभावित होती है। इससे लकवा का खतरा दोगुना बढ़ जाता है। इमरजेंसी में इसके मरीज आ रहे हैं।

फिरोजाबाद में उपमुख्यमंत्री के होर्डिंग फाड़े, भाजपाइयों में उबाल...अराजक तत्वों पर कार्रवाई की मांग

फिरोजाबाद, एजेंसी। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक के लगे होर्डिंग्स को बृहस्पतिवार रात में असमाजिक तत्वों ने फाड़ दिया। यह घटना तब हुई जब बाबा नीम करोरी महाराज के प्रकोट्योत्सव पर उनकी जन्मस्थली अकबरपुर में आयोजित कार्यक्रमों में वे भाग लेकर लौट गए। उपमुख्यमंत्री के जन्मस्थाली मार्ग पर लगे होर्डिंग्स फाडे जाने से आयोजकों और भाजपाइयों में रोष है। भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह सहित अन्य भाजपाइयों ने अराजकतत्वों के विरुद्ध कार्यवाई की मांग की है। मामले में थाना प्रभारी अंजीश कुमार सिंह का कहना है कि ऐसी घटना संज्ञान में नहीं आई है, होर्डिंग करने की सूचना जरूर मिली है। अगर ऐसा है तो अराजकतत्वों की पहचान करते हुए उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डब्ल्यूपीएल की वैभव सूर्यवंशी

दिया यादव ने ऑक्शन में रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग के मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने एक ऐसी खिलाड़ी पर दांव खेला है जिसकी उम्र महज 16 साल है लेकिन उसके पास टैलेंट कमाल है. बात हो रही है दिया यादव की जिन्हें पहली बार महिला प्रीमियर लीग में खेलने का मौका मिलेगा. दिया ने ऑक्शन में बिकते ही इतिहास रच दिया है क्योंकि वो इस लीग की सबसे उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं. दिया की उम्र सिर्फ 16 साल है और वो हरियाणा की ओपनिंग बल्लेबाज हैं. जिस तरह से वैभव सूर्यवंशी ने महज 13 साल की उम्र में आईपीएल में खेलकर इतिहास रचा था, अब वैसा ही मौका 16 साल की दिया के पास है.

दिया यादव कौन हैं?

दिया यादव हरियाणा की ओपनिंग बल्लेबाज हैं जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं. हरियाणा की ये बल्लेबाज उम्र में छोटी हैं लेकिन अच्छी-अच्छी गेंदबाजों की वो लाइन लेंग्थ बिगाड़ देती हैं. दिया महज 14 साल की उम्र में शतक लगाकर सुर्खियों में आई थी. इस खिलाड़ी ने वीमेंस अंडर 15 वनडे कप ट्रॉफी में दिल्ली के खिलाफ नाबाद 124 रन बनाकर कमाल किया था.

दिया ने टी20 ट्रॉफी में दिखाया दम

हाल ही में दिया सीनियर वीमेंस इंटर जोनल टी20 ट्रॉफी में नॉर्थ जोन के लिए खेल रही थीं जहां उनका प्रदर्शन अच्छा रहा. दिया ने 5 पारियों में 30.20 की औसत से 151 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 150 के करीब रहा. सबसे अच्छे स्ट्राइक रेट के मामले में वो तीसरे नंबर पर रहीं और सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में ये खिलाड़ी दूसरे स्थान पर रही. दिया यादव के टी20 करियर की बात करें तो इस खिलाड़ी ने 19 पारियों में लगभग 40 की औसत से 590 रन बनाए हैं. उनके बल्ले से 4 अर्धशतक निकले हैं.

रांची के मैदान पर विराट रन नहीं आग बरसाते हैं

रांची, एजेंसी। भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज खेलने के लिए तैयार है। तीन मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला रांची में होगा। साउथ अफ्रीका ने टेस्ट सीरीज को क्लीन स्वीप किया था। यही वजह है कि भारतीय टीम पर वनडे सीरीज से पहले काफी दबाव है। जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में दोनों टीमों की भिड़ंत होगी। 2013 से इस मैदान पर इंटरनेशनल क्रिकेट खेली जा रही है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे मुकाबला हुआ था। यह विराट कोहली के सबसे फेवरेट मैदानों में से एक है।

रांची में विराट का औसत 192 का

विराट कोहली ने रांची में अभी तक 5 वनडे मैच खेले हैं। चार पारियों में उनकी बैटिंग आई है और इसमें 384 रन बनाए हैं। वह इस मैदान पर वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। अन्य किसी बल्लेबाज के नाम 150 रन भी नहीं हैं। रांची के मैदान पर विराट कोहली के बल्ले से शतक और एक फिफ्टी निकली है। उनका औसत 192 जबकि स्ट्राइक रेट 109 का है। इस मैदान पर उनकी सबसे छोटी पारी 45 रनों की है। विराट कोहली ने अपने करियर में 59 मैदानों पर एक से ज्यादा मैच खेले हैं। उनका सबसे अच्छा औसत रांची में ही है। गुवाहाटी के बारसापारा और साउथ अफ्रीका के न्यूलैंड के मैदान पर उन्होंने वनडे में 126 की औसत से रन बनाए हैं।

साउथ अफ्रीका को हरा चुका भारत

विराट कोहली के अलावा इस मैदान पर वनडे में सिर्फ श्रेयस अय्यर के नाम शतक है। हालांकि वह चोटिल चल रहे हैं और इसी वजह से सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं हैं। अय्यर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही यहां शतकीय पारी खेली थी। इस मैदान पर आखिरी वनडे मैच भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2022 में हुआ था। उस मैच को भारतीय टीम ने 7 विकेट से अपने नाम किया था।

म्यूजिक कंपोजर की मां ने दिया बड़ा अपडेट

स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल की कब होगी शादी?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और म्यूजिक कंपोजर पलाश मुच्छल की शादी 23 नवंबर को होनी थी, जो अनिश्चितकाल के लिए टल गई थी. शादी के दिन ही स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना की अचानक तबीयत खराब हो गई, जिसके चलते ये फैसला लिया गया.

इसी बीच सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें फैलीं.कुछ अनकन्फर्म्ड चैट वायरल हुए, जिसक जरिए दावा किया गया कि पलाश मुच्छल ने स्मृति मंधाना को धोखा दिया. हालांकि इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. इसके बीच यह राहत की बात है कि स्मृति के पिता अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए हैं.

अफवाहों के बीच अब पलाश मुच्छल की मां अमिता मुच्छल का स्टेटमेंट सामने आया है. अमिता ने कहा कि सब कुछ तय योजना के अनुसार ही होगा. उन्होंने यह भी बताया कि पलाश का स्मृति के पिता से बहुत करीबी रिश्ता है, इसलिए उन्हीं की हालत देखकर शादी टालने का फैसला लिया गया.

'शादी की तैयारी हो चुकी है...'

अमिता मुच्छल ने बताया, 'हमने पलाश को हल्दी की रस्म के बाद से बाहर नहीं जाने दिया है. वह बहुत तनाव में है, रो रहा है. उसकी तबीयत भी बिगड़ गई थी, इसलिए उसे चार घंटे अस्पताल में रखना पड़ा. आईवी ड्रिप लगाई गई, ईसीजी हुआ.

सब सामान्य निकला, पर तनाव बहुत है.' अमिता मुच्छल ने कहा कि स्मृति और पलाश दोनों ही इस स्थिति को लेकर परेशान हैं और परिवार शादी के लिए पूरी तैयारी कर चुका है. अमिता ने बताया कि उनका बेटा जल्द ही दुल्हन को घर लाएगा.

अमिता मुच्छल ने आगे कहा, 'सब कुछ प्लान के अनुसार ही होगा और शादी भी जल्द होगी. पलाश का स्मृति के पिता से बहुत गहरा रिश्ता है. वह स्मृति से ज्यादा उनके पिता के करीब है. इसलिए जब उनकी तबीयत खराब हुई, तो पलाश ने ही शादी टालने का फैसला किया. अब वे ठीक हो रहे हैं, इसलिए आगे सब सही रहेगा.' बता दें कि स्मृति मंधाना उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं, जिसने 2 नवंबर को साउथ अफ्रीका को हराकर पहली बार आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब जीता था. पूरे टूर्नामेंट में स्मृति की बल्लेबाजी शानदार रही. खिताबी मुकाबले में भी उन्होंने शेफाली वर्मा के साथ शतकीय साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई.

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के : 10वें संस्करण में रजिस्ट्रेशन का टूटा रिकॉर्ड, बाईचुंग भूटिया ने की औपचारिक शुरुआत

कोलकाता, एजेंसी। काउंटडाउन की शुरुआत फुटबॉल स्टार और टाटा स्टील वर्ल्ड 25के रत्न, बाईचुंग भूटिया के 'बाईचुंग्स 10' नामक प्रदर्शनी मैच से हुई। पांच-सदस्यीय इस रोमांचक मुकाबले में आनंदा रन कैटेगरी के नौ पंजीकृत प्रतिभागियों ने फुटबॉल आइकन भूटिया के साथ खेल का मजा लिया। टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के 10वें संस्करण को लेकर राजधानी में उत्साह चरम पर है। भारतीय फुटबॉल के पूर्व कप्तान और आइकन और टाटा स्टील वर्ल्ड 25के रत्न बाईचुंग भूटिया ने वर्षगांठ रन को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। रजिस्ट्रेशन इस बार सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। फिटनेस, एकजुटता और सामुदायिक भागीदारी को समर्पित यह इवेंट कोलकाता को एक बार फिर देश की 'रनिंग सिटी' साबित कर रहा है। उल्लेखनीय है कि टाटा 25के, 21 दिसंबर को कोलकाता में आयोजित होगी। काउंटडाउन की शुरुआत फुटबॉल स्टार और टाटा स्टील वर्ल्ड 25के रत्न, बाईचुंग भूटिया के 'बाईचुंग्स 10' नामक प्रदर्शनी मैच से हुई। पांच-सदस्यीय इस रोमांचक मुकाबले में आनंदा रन कैटेगरी के नौ पंजीकृत प्रतिभागियों ने फुटबॉल आइकन भूटिया के साथ खेल का मजा लिया। मैदान पर खिलाड़ियों, प्रायोजकों और हस्तियों का जोश देखने लायक था।

अंडर-19 एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान, इन खिलाड़ियों की चमकी किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 12 से 21 दिसंबर 2025 तक दुबई में होने वाले पुरुष अंडर-19 एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा की है। मुंबई और चेन्नई सुपर किंग्स के जबरदस्त बैटर आयुष म्हात्रे अंडर-19 टीम की कप्तानी करेंगे। वैभव सूर्यवंशी भी एशिया कप के लिए अंडर-19 टीम में वापस आ गए हैं, जो 50-ओवर के फॉर्मेट में खेला जाएगा। 14 साल के इस खिलाड़ी ने पहले ऑस्ट्रेलिया में मल्टी-फॉर्मेट टूर में हिस्सा लिया था और हाल ही में राइजिंग स्टार्स एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया था। 18 साल के ऑल-राउंडर विहान मनोज मल्होत्रा को भारतीय अंडर-19 टीम का वाइस-कैप्टन बनाया गया। यह टूर्नामेंट 19 वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए एक प्लेटफॉर्म का काम करेगा, जो अगले साल जनवरी-फरवरी में जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा।

यूरोपा लीग :

फॉरेस्ट ने माल्मो को 3-0 से रौंदा, रोमा और एस्टन विला ने जीते मुकाबले

नॉटिंघमशायर, एजेंसी। नॉटिंघम फॉरेस्ट ने माल्मो एफएफ को 3-0 से मात देकर यूरोपा लीग में तीन प्वाइंट्स हासिल कर लिए हैं। मुकाबले के 27वें मिनट कप्तान रायन येट्स ने गोल दागकर नॉटिंघम फॉरेस्ट का खाता खोला। इसी के साथ टीम ने मुकाबले में 1-0 से लीड हासिल कर ली। मुकाबले के 44वें मिनट अनॉड कलिमुएंडो ने गोल करते हुए फॉरेस्ट की लीड को दोगुना कर दिया।

माल्मो एफएफ की टीम 0-2 से पिछड़ गई थी। टीम लगातार गोल करने की कोशिश करती रही, लेकिन इसी बीच 59वें मिनट में निकोला मिलेंकोविक ने गोल दागकर फॉरेस्ट को 3-0 से आगे कर दिया। यहां से माल्मो की टीम दबाव से बाहर नहीं निकल सकी। इस जीत के साथ नॉटिंघम फॉरेस्ट ने 8 प्वाइंट्स हासिल कर लिए हैं। फॉरेस्ट टेबल में 16वें नंबर पर आ गई है। दूसरी ओर, माल्मो के पास 1 अंक है। यह टीम 34वें पायदान पर मौजूद है। एक अन्य मैच में, रोमा ने मिड्टजिलैंड को 2-1 से शिकस्त देकर पहली घरेलू जीत दर्ज की। इस टीम के लिए नील एल ऐनाउई और स्टीफन ऐल शरावी मुकाबले के हीरो रहे, जिन्होंने एक-एक गोल किए। नील एल ऐनाउई ने मुकाबले के 7वें मिनट खाता खोला। इसके बाद स्टीफन ऐल शरावी ने 83वें मिनट गोल दागकर रोमा को 2-0 से आगे कर दिया। मुकाबले के 86वें मिनट मिड्टजिलैंड ने पॉलिन्हो के गोल की बदौलत अपना खाता खोला, लेकिन यह टीम मुकाबला गंवा बैठी। इस बीच, डोनियल मैलेन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत एस्टन विला ने यंग बॉयज को 2-1 से शिकस्त देकर पांच लीग फेज मैचों में अपनी चौथी जीत दर्ज की।

डच फुटबॉलर ने मुकाबले के 27वें मिनट गोल दागकर मैच का खाता खोला, जिसके बाद 42वें मिनट एक और गोल दागकर एस्टन विला को 2-0 से आगे कर दिया। यंग बॉयज ने मुकाबले के 90वें मिनट सब्स्टीट्यूट जोएल मोंटेइरो की शानदार हाफ-वॉली के साथ अपना खाता खोला, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

भारतीय महिला बॉक्सिंग टीम के हेड कोच बने सैंटियागो नीवा

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने सैंटियागो नीवा को महिला नेशनल बॉक्सिंग टीम का हेड कोच नियुक्त किया है। नीवा साल 2017 से 2021 तक भारत के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं। भारत के साथ नीवा के पिछले कार्यकाल ने देश के हाई-परफॉर्मेंस स्ट्रक्चर पर गहरी छाप छोड़ी है। ऐसे में स्वीडिश टैक्टिशियन टीम को और बेहतर बनाने के मकसद से भारतीय खेमे में वापस आ रहे हैं। नीवा के मार्गदर्शन में भारतीय बॉक्सिंग ने 2019 मेन्स वर्ल्ड चैंपियनशिप में पदक जीते, जिसमें अमित पंघाल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था, जबकि मनीष कौशिक ने देश को ब्रॉन्ज जिताया। इसके बाद भारत ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में अब तक की सबसे बड़ी ओलंपिक बॉक्सिंग टीम उतारी, जहां लवलीना बोरगोहेन ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

लॉस एंजिल्स 2028 के मद्देनजर नीवा सभी वेट कैटेगरी में भारतीय महिला खिलाड़ियों को मेडल की दावेदार बनाने पर काम करेंगे। नीवा के पास दो दशकों से ज्यादा एलीट इंटरनेशनल कोचिंग अनुभव है, उन्होंने वर्ल्ड बॉक्सिंग में कुछ सबसे असरदार हाई-परफॉर्मेंस रोल निभाए हैं। नेशनल महिला टीम ने हाल ही में ग्रेटर नोएडा में आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात गोल्ड, एक सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते।

इस मौके पर नीवा ने कहा, 'मैं भारत वापस आकर बहुत उत्सुक हूं। मेरे पिछले कार्यकाल के 5 साल बहुत शानदार रहे हैं। मैं इस नए अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उम्मीद है कि हम साथ मिलकर बड़ा मुकाम हासिल करेंगे। मुझे पहले भी महिला बॉक्सर्स के साथ काफी सफलता मिली है। भारतीय महिला टीम में बहुत क्षमता है। 2028 एलए ओलंपिक में हम इतिहास रचना चाहेंगे। नीवा की नियुक्ति पर बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'सैंटियागो की नियुक्ति हमारे विमेंस प्रोग्राम के लिए एक जरूरी कदम है। वह टेक्निकल एक्सीलेंस और अंतरराष्ट्रीय समझ का मिश्रण लेकर आए हैं, जिससे भारत के प्रदर्शन में निखार आएगा।

उन्होंने कहा, 'हमारे एथलीट्स ने दिखाया है कि वे दुनिया के सबसे मुश्किल प्लेटफॉर्म पर भी आगे बढ़ सकते हैं। सैंटियागो के मार्गदर्शन से हमें दुनिया के सबसे बड़े मंच पर भारत की मौजूदगी और महत्वाकांक्षा को मजबूत करने का भरोसा है।

एशेज : 'पिंक बॉल' टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की 14 सदस्यीय टीम घोषित, नहीं खेलेंगे पैट कमिंस

मेलबर्न, एजेंसी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 4 दिसंबर से गाबा में शुरू होने जा रहे डे-नाइट एशेज टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें कोई बदलाव नहीं किया गया।

कप्तान पैट कमिंस लगातार दूसरे मैच में नहीं खेल सकेंगे। पैट कमिंस पीठ की चोट के कारण पर्थ में सीरीज का पहला टेस्ट में नहीं खेले थे। इस लो-स्कोरिंग मुकाबले को ऑस्ट्रेलियाई ने सिर्फ दो दिनों के अंदर अपने नाम किया था। इस तेज गेंदबाज को पूरी तरह से फिट होने के लिए दो हफ्तों का समय दिया गया है। 32 वर्षीय पैट कमिंस टीम के साथ ब्रिस्बेन जाएंगे। पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में ब्रेंडन डॉगेट, मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के साथ अपनी जगह बनाए रख सकते हैं। ब्रेंडन डॉगेट ने पर्थ में टेस्ट डेब्यू करते हुए 5 विकेट हासिल किए थे। इस टीम में अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा को शामिल किया गया है। ख्वाजा पीठ में ऐंठन के कारण पर्थ में खेल गए सीरीज के पहले मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं कर सके थे

'क्रिकेटडॉटकॉमडॉटएयू' के मुताबिक, कमिंस ने शुक्रवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में जमकर ट्रेनिंग की। उन्होंने मंगलवार को न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के क्रिकेट सेंट्रल हेडक्वार्टर में ट्रेनिंग सेशन किया। इस दौरान पिंक बॉल से स्टीव स्मिथ को एक घंटे से ज्यादा समय तक पूरी गति से बॉलिंग की।

ऑस्ट्रेलियाई टीम रविवार को गाबा में अपना पहला ट्रेनिंग सेशन करेगी, जिसके बाद सोमवार को एक सेशन होगा। पर्थ स्टेडियम में खेले गए सीरीज के शुरुआती मैच में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में महज 172 रन पर सिमट गई। इस पारी में मिचेल स्टार्क ने 7 विकेट हासिल किए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में महज 132 रन ही बना सकी। इंग्लैंड के पास यहां से 40 रन की लीड थी, लेकिन मेहमान टीम दूसरी पारी में सिर्फ 164 रन पर सिमट गई। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 205 रन का टारगेट मिला, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया।

दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम :

स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसेर, मिचेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।